

मनेन्द्रगढ़

20 सितम्बर 2026

रविवार



दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: वीफ बॉक्स :

आईआईटी बॉम्बे में स्टूडेंट ने आत्महत्या की कैपस में प्रदर्शन



मुंबई,एजेंसी। मुंबई के IIT बॉम्बे में शुक्रवार शाम सेकेंड ईयर के छात्र साहिल वाकोडे ने हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। साहिल महाराष्ट्र के यवतमाल का रहने वाला था। एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। घटना से कुछ घंटे पहले वह परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन इस्तेमाल करते पकड़ा गया था। IIT बॉम्बे ने बताया कि घटना से पहले साहिल एग्जाम हॉल में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते पकड़ा गया था। उसने क्वेश्चन पेपर की तस्वीर ChatGPT पर अपलोड कर नकल करने की कोशिश की थी। पिछले 7 महीने में IIT बॉम्बे कैपस में सुसाइड का यह तीसरा मामला बताया जा रहा है। इससे पहले इसके बाद जुलाई में नया सेमेस्टर शुरू होते ही इसी हॉस्टल में 20 साल के बीटेक सेकेंड ईयर के छात्र ने जान दे दी। फरवरी में हॉस्टल-4 में सेकेंड ईयर के एक छात्र ने सुसाइड किया था।

दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की कई उड़ानें प्रभावित



नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर शनिवार को ऑपरेशनल दिक्कतों के चलते स्पाइसजेट की कई फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। कुछ फ्लाइट्स में देरी हुई, जबकि कुछ रद्द भी की गईं। इसके कारण सैकड़ों यात्री परेशान हुए। दिल्ली एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट में यात्रियों से माफी मांगी। एयरपोर्ट के मुताबिक, ग्रांड स्टाफ प्रभावित यात्रियों को जरूरी मदद दे रहा है और स्पाइसजेट के साथ मिलकर काम कर रहा है। स्पाइसजेट की ओर से फिलहाल कोई बयान नहीं आया है। स्पाइसजेट की उड़ानों में पिछले कुछ दिनों में लगातार देरी की घटनाएं सामने आई हैं। 15 सितंबर को दिल्ली से दुबई जाने वाली दो फ्लाइट्स में घंटों की देरी हुई थी। इनमें एक फ्लाइट करीब 30 घंटे और दूसरी करीब 19 घंटे की देरी से रवाना हुई थी। इस दौरान करीब 200 यात्रियों ने एयरपोर्ट पर प्रदर्शन भी किया था। स्पाइसजेट लंबे समय से वित्तीय और ऑपरेशनल चुनौतियों का सामना कर रही है।

महाराष्ट्र टीईटी का पेपर आगरा प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) के पेपर लीक मामले में नया खुलासा हुआ है। ठाणे पुलिस के मुताबिक, यह पेपर उत्तरप्रदेश के आगरा की प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था। पुलिस ने 3,500 पन्नों की चार्जशीट में बताया कि आरोपियों ने पेपर को जूते के सोल में छिपाकर प्रिंटिंग प्रेस से बाहर निकाला था। इसके लिए आरोपियों को 8 हजार दिए गए थे। साथ ही, उन्हें आगरा में जमीन के प्लॉट देने का वादा भी किया गया था। ठाणे पुलिस ने शुक्रवार को भिवंडी की स्थानीय कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की।

ट्रम्प ने 100प्रतिशत टैरिफ वाला बिल साइन किया:

रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा, भारत के लिए मुश्किल बढ़ सकती है

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब भारत पर 100% तक टैरिफ लगा सकते हैं। ट्रम्प ने इस बिल पर साइन कर दिया है और अब यह कानून बन चुका है। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने बुधवार को रूस से ज्यादा तेल खरीदने वाले 5 देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने वाला बिल पास किया था। पक्ष में 262 और विरोध में 159 वोट पड़े थे। सीनेट अगस्त में इसे 86-11 वोट



से पास कर चुकी है। इसे आधिकारिक तौर पर लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम दिया गया है। रूस से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाले 5 देशों

की अमेरिकी लिस्ट में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान शामिल हैं। भारत अपनी जरूरत का 40% से ज्यादा कूड ऑयल रूस से खरीद रहा है। व्यापार प्रतिनिधि हर 180 दिन में इस लिस्ट का अकलन करेंगे। अमेरिका की तरफ से 100% टैरिफ पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि देश के हितों से समझौता नहीं करेंगे। अब भारत अपनी जरूरत के 40% से ज्यादा कच्चे तेल का आयात रूस से कर रहा है। इससे भारत रूस से तेल

बीते 2 साल में भारत का रूस से तेल आयात... यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना तेजी से बढ़ाया। 2022-23 में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया। युद्ध से पहले भारत रूस से बहुत कम तेल खरीदता था, लेकिन बाद में यह बढ़कर रोजाना करीब 16 से 20 लाख बैरल तक पहुंच गया।

खरीदने वाले सबसे बड़े देशों में शामिल हो गया है।

तिरुपति लड़ू विवाद: ईडी ने सुकृति फूड्स प्रमोटर को गिरफ्तार किया

230 करोड़ का घी सप्लाई किया गया था; घी पाम ऑयल-एसीटिक एसिड एस्टर से बना था

तिरुपति, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तिरुपति लड़ू प्रसाद बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी में मलावट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुकृति फूड्स के प्रमोटर कैलाश चंद मंगला को गिरफ्तार किया। एजेंसी के मुताबिक, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD) को एप्पार्क स्पेशल ग्रेड काउ घी के नाम पर सप्लाई किया गया घी रिफाईंड पाम ऑयल, पाम कर्नल ऑयल, पामोिलिन और एसीटिक एसिड एस्टर जैसे केमिकल से तैयार किया गया था। ईडी ने दावा किया कि



ईडी ने मंगला को 17 सितंबर को गिरफ्तार किया था... ईडी ने बताया कि TTD घी मिलावट मामले में मंगला को 17 सितंबर को हैदराबाद स्थित उसके ऑफिस से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे विशाखापट्टनम की स्पेशल PMLA कोर्ट में पेश किया गया।

2019 से 2024 के बीच TTD को करीब 230 करोड़ का घी सप्लाई किया गया था। इसमें से करीब 96 करोड़ का मिलावटी घी मंगला ने तैयार किया था।

राजस्थान में मानसून की वापसी

यूपी के गोंडा में 10 हजार लोग बाढ़ में फंसे महाराष्ट्र में बिजली गिरने से 5 मौतें

नई दिल्ली,एजेंसी। देश भर में मानसून का असर अब कम होने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में आज से मानसून की वापसी शुरू होने के आसार हैं। इसके बाद यह पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और मध्य प्रदेश से धीरे-धीरे पीछे हटेंगे। फिर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों से मानसून कमजोर होते हुए पूरे देश से विदा होगा। यूपी में 22 सितंबर से बारिश की गतिविधियां रुकने की संभावना है। हालांकि, कुछ हिस्सों



में अब भी बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य के गोंडा में घाघरा नदी के जलस्तर में कमी आने से कुछ राहत मिली है, लेकिन 15 गांवों में करीब 10 हजार लोग अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। कई घरों और आसपास के इलाकों में पानी भरा हुआ है। इधर, महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को लंबे सूखे के बाद बारिश हुई। इस दौरान बिजली गिरने की दो घटनाओं में एक दंपती समेत 5 लोगों की मौत हो गई। हादसों में चार लोग घायल भी हुए हैं।

रूसी खतरे के बीच यूरोप की 10 साल की तैयारी

लाखों सैनिकों की ट्रेनिंग, हथियारों का जखीरा बढ़ा युद्ध के लिए सिस्टम बदल रहा नाटो

कोपेनहेग/ वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन में जारी जंग के बीच यूरोप के नाटो देश अगले 10 साल में अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। नाटो ने 2035 तक रक्षा और सुरक्षा पर GDP का 5% खर्च करने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत हथियार, सैनिकों की ट्रेनिंग, सैन्य ठिकाने, बंकर, अस्पताल और साइबर सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं मजबूत की जाएंगी। रूस लगातार यूरोपीय देशों को चेतावनी दे रहा है। पिछले



हफ्ते ब्रिक्स समिट के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि अगर यूरोपीय देश यूक्रेन में अपने सैनिक तैनात करते हैं, तो इसे रूस के साथ युद्ध माना जाएगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प भी यूरोपीय देशों से अपनी सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करने की मांग करते रहे हैं। इसी बीच

शुक्रवार और शनिवार को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में नाटो के 32 सदस्य देशों के रक्षा प्रमुखों की बैठक हुई। इसमें 3.5% पैसा सीधे सैना, हथियारों और सैन्य क्षमता बढ़ाने पर खर्च होगा। बाकी 1.5% सड़कों, कम्युनिकेशन, साइबर सुरक्षा और ऐसी दूसरी सुविधाओं पर लगाया जाएगा, जो युद्ध या किसी बड़े संकट के समय काम आ सकती हैं। यानी यूरोप की तैयारी सिर्फ हथियार खरीदने तक सीमित

2035 तक जीडीपी का 5प्रतिशत सुरक्षा पर खर्च होगा... नाटो देशों ने रक्षा और सुरक्षा पर खर्च बढ़ाने का फैसला किया है। 2035 तक जीडीपी का 5% इस क्षेत्र में खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है।

नहीं है। अगले करीब 10 साल में सैनिकों की ट्रेनिंग, सैन्य ठिकानों और युद्ध के समय काम आने वाली जरूरी सुविधाओं पर भी खर्च बढ़ाया जाएगा।

पीएम बोले: भारत जी20 का इकलौता देश, जिसने पेरिस कॉप-21 के 3 कमिटमेंट समय से पूरे किए



नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 'द फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में शनिवार को हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) का मोबाइल ऐप लॉन्च किया। उन्होंने कहा, भारत त20 में इकलौता ऐसा देश है, जिसने पेरिस में कॉप-21 समिट में जो भी कमिटमेंट किए थे, उन्हें समय से पूरा करके दिखाया है। कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी अवसर विकासशील देशों पर डाल दी जाती है। जबकि भारत का प्रति

व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन आज भी दुनिया के औसत से आधे से कम है। दरअसल, पेरिस में 2015 में हुए कॉप-21 सम्मेलन में भारत ने पर्यावरण को लेकर तीन बड़े लक्ष्य तय किए थे। पहला, 2030 तक 2005 के मुकाबले कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता 33-35% कम करना था। दूसरा, 2030 तक देश की बिजली क्षमता का करीब 40% हिस्सा गैर-जीवाश्म ऊर्जा से तैयार करना था। तीसरा, पेड़ और जंगल बढ़ाकर 2.5-3 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड सोखने की क्षमता तैयार करना था।

योगी बोले: मैं नौकरी देता जाऊंगा, वह गिनते जाएं

पहले चाचा-भतीजे नौकरियों पर डकैती डालते थे, आज उपदेश दे रहे

लखनऊ,एजेंसी। सीएम योगी ने शनिवार को लखनऊ में अखिलेश और शिवपाल यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पहले नौकरियों में डकैती डालने के लिए चाचा-भतीजे की जोड़ी बेखोफ निकल पड़ती थी। आज उपदेश की भूमिका में हैं। 2027 के बाद उपदेशक भी नहीं रह पाएंगे।

सीएम ने कहा- पहले बिना परीक्षा दिए ही नौकरी मिल जाती थी। पहले विज्ञापन जारी होते ही ठेके बांट दिए जाते थे और धंधा शुरू हो जाता था। जिन्होंने 2017 से पहले नियुक्ति पत्र वितरण में गंदर मचाई थी, वे नोट कर लें कि अगले 6 महीने में एक लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं। वे गिनते रहें,



आयोगों में भाई-भतीजों को बैठकर बदनाम किया गया... सीएम ने कहा- भर्ती बोर्ड और आयोगों में भाई-भतीजों को बैठकर भर्ती प्रक्रिया को बदनाम कर दिया गया था। एक भी भर्ती ईमानदारी से नहीं होती थी। अब भर्ती बोर्ड और आयोग शासन की किसी राजनीति का शिकार नहीं होते हैं। अब तक साढ़े नौ लाख युवाओं को जॉइनिंग लेटर बांटे जा चुके हैं।

हम नौकरियां देते जाएंगे। सीएम ने लोक सेवा आयोग (UPPSC) और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (PSSSC) के 818

नहीं था। चेयरमैन बनने के बाद उसने गंदर मचाई। इसके चलते युवाओं को सड़क पर उतरना पड़ा। कोर्ट ने कहा- उसे जेल भेजो, जिंदगी भर सड़ाओ।

2017 से पहले यूपी की धारणा क्या थी? हर दूसरे दिन दंगा होता था और महीनों तक कर्फ्यू रहता था। युवा के सामने एक ओर कुआं और दूसरी ओर खाई थी। यूपी में नौकरी नहीं थी। किसी भी युवा के लिए यह स्थिति भयावह थी। इससे उसके सपने टूटते थे। हमने ग्वा सी और डी की भर्तियों में इंटरव्यू की व्यवस्था ही खत्म कर दी। पहले ऐसी कई भर्तियां हुईं, जिनमें जिन लोगों ने आवेदन नहीं किया था, उन्हें भी नियुक्ति पत्र बांट दिए गए।

म.प्र. के 7,400+ मेधावी छात्रों को मिली ई-स्कूटी सीधे खाते में ट्रांसफर हुई राशि, सीएम ने छात्रों से की बातचीत, पूछा- आगे क्या करना है



भोपाल,एजेंसी। प्रदेश के 7,400 से ज्यादा मेधावी विद्यार्थियों को ई-स्कूटी और मोटराइज्ड वाहन की सौगात दी गई। भोपाल के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को सांकेतिक रूप से चाबी सौंपी। पात्र विद्यार्थियों के खातों

में वाहन की राशि भी ट्रांसफर की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, मंत्री कृष्णा गौर और मंत्री विजय शाह मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं।

20वां रोज-गार मेला

बोले- देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है इसमें आप जैसे युवाओं की बड़ी भूमिका

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। मोदी ने नए चुने कर्मचारियों को वरचूअली संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ये लक्ष्य है 2047 तक विकसित भारत बनाने का। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। सरकार में रहते हुए आपको हर वो निर्णय लेना है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करे। **आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत:** पीएम मोदी ने कहा- देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन



खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आज आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत तो है ही। साथ ही आपके माता-पिता और आपके परिजन की भी तपस्या है। मैं आप सभी युवा साथियों को और आपके

परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। युवा होने के नाते विशेष तौर पर अन्य युवाओं के प्रति आपकी विशेष जिम्मेदारी है। **आज करीब आधे स्टार्टअप छोटे शहरों में:** भारत के युवाओं के सामर्थ्य की एक और तस्वीर हमारे स्टार्टअप इको सिस्टम में दिखाई देती है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम है। और भारत की

स्टार्टअप स्टोरी अब केवल बड़े शहरों की कहानी नहीं है। आज करीब आधे रिक्रनाइज्ड स्टार्टअप टियर2 और टियर3 शहरों में हैं। कुछ ही दिन पहले ब्रिक्स समिट खत्म हुआ है। भारत ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि ब्रिक्स का सहयोग सिर्फ सरकारों तक ही सीमित न रहे; बल्कि हमारे एंटरप्रेन्योर्स, किसान, महिलाएं और युवा भी इस साझेदारी में सक्रिय रूप से शामिल हों। इसी सोच के साथ 'ब्रिक्स पोर्टल' जैसी पहल शुरू की गई है। पिछले कुछ सालों में भारत सरकार का लगातार ध्यान युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने पर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, रिकल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री कोशल विकास योजना

रोजगार मेला देश के 45 स्थानों पर... जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं उनकी नियुक्तियां केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों और संगठनों में हुई हैं। रोजगार मेला देश के 45 स्थानों पर आयोजित किया गया।

या अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने के प्रयास-हमारी कोशिश यही रही है कि युवाओं की शिक्षा और उनके कौशल को बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थी केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में काम शुरू करेंगे। इनमें स्वास्थ्य विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय शामिल हैं। अब तक अलग-अलग विभागों और सरकारी संगठनों में करीब 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार



फसल बीमा योजना में पश्चिम बंगाल पूरे देश में दूसरे स्थान पर, पहले चरण में 32 लाख किसानों का पंजीकरण

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में नई सरकार गठन के बाद फसल बीमा योजना के अंतर्गत 32 लाख किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है। इस आंकड़े के साथ पश्चिम बंगाल पूरे देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया हैंडल एक्स के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फसल बीमा योजना के लिए पंजीकरण के पहले ही चरण में किसानों की ओर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। हालिया बाढ़ से प्रभावित किसानों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2026 के खरीफ मौसम में त्वरित कदम उठाए गए हैं। 15 सितंबर 2026 तक एक व्यवस्थित प्रक्रिया के तहत कुल 32 लाख किसानों को इस बीमा योजना के दायरे में लाया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित जिलों में किसानों के पंजीकरण को लेकर भी आंकड़े काफी सकारात्मक रहे हैं। विशेष रूप से पूर्व मेदिनीपुर में 7.23 लाख, पश्चिम मेदिनीपुर में 4.73 लाख, हुगली में 1.68 लाख और झाड़ग्राम में 42 हजार किसानों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के किसानों की सुविधा के लिए अगस्त से 15 सितंबर तक हर ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाए गए थे, ताकि उन्हें सीधे बीमा कवर के तहत लाकर नुकसान के मुआवजे का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। किसानों पर से आर्थिक बोझ कम करने के लिए राज्य सरकार प्रीमियम का अधिकांश हिस्सा अपने बजट से वहन कर रही है। नए नियमों के अनुसार, एक हेक्टेयर (छाई एकड़) तक की कृषि भूमि वाले किसानों को केवल एक रुपये की प्रतीकात्मक राशि का भुगतान करना होगा। वहीं, एक से दो हेक्टेयर जमीन वाले किसानों को प्रति एकड़ केवल सौ रुपये का मामूली शुल्क देना होगा। इसके अलावा, बाकी का पूरा प्रीमियम सीधे राज्य सरकार द्वारा चुकाया जाएगा। शुभेंदु ने कहा कि अगस्त 2026 की बाढ़ से प्रभावित किसानों तक जल्द से जल्द मुआवजा पहुंचाने के लिए बीमा कंपनियों को मध्यवर्ती नुकसान का मूल्यांकन तुरंत पूरा करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, बैंकों के माध्यम से ऋण लेने वाले किसानों के पंजीकरण की अंतिम समय सीमा 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है, जिससे पंजीकरण की संख्या में और बढ़ी वृद्धि होने की उम्मीद है।

राजस्थान में ड्रोन और एंटी ड्रोन प्रणाली का लाइव टेस्ट

भविष्य के युद्ध के लिए भारतीय वायुसेना की फुल तैयारी



जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के रेगिस्तान में पहली बार ड्रोन और एंटी ड्रोन सिस्टम का लाइव परीक्षण हुआ। भारतीय वायुसेना का पहला ‘ड्रोनाथन-2026’ जैसलमेर स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में संपन्न हुआ है। 14 से 16 सितंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय ड्रोनाथन का मकसद देश की रक्षा तकनीक को मजबूत करना और भविष्य के युद्ध के लिए भारतीय वायुसेना को पूरी तरह से तैयार करना है। आयोजन के पहले दिन वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने आईएफएफ यूएस रोडमैप जारी किया। इस दौरान वायु उत्तम यातायात प्रबंधन प्रणाली ने सैन्य और नागरिक ड्रोन को एक साथ ट्रैक किया। इस आयोजन में भारत के उभरते रक्षा स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, स्थापित रक्षा उत्पादक, अकादमिक शोध संस्थानों के 20 प्रमुख दलों ने अपनी तकनीक का प्रदर्शन किया। आयोजन में रेगिस्तान की कठिन और युद्ध जैसे हालात में मानवरहित विमान प्रणाली अर्थात यूएएस, स्वायत्त सिस्टम, ड्रोन स्वार्म (ड्रोन के झुंड), इलेक्ट्रिक वारफेयर प्रणाली और दुश्मन के ड्रोन को हवा में नष्ट करने वाले काउंटर-यूएएस सिस्टम का लाइव प्रदर्शन किया गया। नई तकनीक वाले ड्रोन का लैंड अथवा एयरक्राफ्टनर कमरों में जांचने के स्थान पर रेगिस्तान में तपती गर्मी और धूल के बीच परीक्षण किया गया।

ममता ने हाथ से बनाया था ‘जोड़ा घास फूल’ का निशान, इंदिरा गांधी के पुराने केस से क्यों जुड़ा फैसला

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न ‘जोड़ा घास फूल’ से ममता बनर्जी का पुराना जुड़ाव रहा है। 1998 में कांग्रेस से अलग होकर अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस बनाने के समय ममता ने खुद इस प्रतीक की रूपरेखा हाथ से तैयार की थी। दो फूलों का एक ही डंटल और जड़ से जुड़ा दिखाने वाले इस प्रतीक को पार्टी की एकता के विचार से जोड़ा गया था। अब करीब 28 वर्ष बाद चुनाव आयोग ने तृणमूल के नाम और इसी चुनाव चिह्न को अंतरिम रूप फ्रीज यानी इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दिया है। आयोग के इस कदम के बाद मौजूदा विवाद की तुलना 1969 के कांग्रेस विभाजन और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़े चुनाव चिह्न विवाद से की जा रही है।

दो गुटों के दावे के बीच चिह्न हुआ फ्रीज: गुरुवार शाम में पार्टी का नाम व चिन्ह फ्रीज होने के बाद देर रात ममता बनर्जी के गुट ने चुनाव आयोग को ईमेल के जरिये नए पार्टी नामों और उपलब्ध चुनाव चिह्नों की अपनी पसंद भेजी। दूसरे गुट ने भी अपनी पसंद



आयोग को भेजी। इसके बाद आयोग ने दोनों पक्षों के बीच मूल पार्टी और चुनाव चिह्न पर अंतिम निर्णय होने तक ‘अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस’ नाम तथा ‘जोड़ा घास फूल’ चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगा दी। फिलहाल ममता बनर्जी के गुट को ‘ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस’ नाम और ‘फुटबॉल खिलाड़ी’ चुनाव चिह्न मिला है,

था आधार: आयोग ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि उपलब्ध समय में यह तय करना संभव नहीं है कि दोनों में से वास्तविक पार्टी कौन है। ऐसे विवादों पर चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के पैराग्राफ 15 के तहत फैसला किया जाता है। इसी प्रावधान के तहत 1969 में कांग्रेस के विभाजन के दौरान इंदिरा गांधी के गुट और दूसरे गुट के बीच पार्टी तथा चुनाव चिह्न को लेकर विवाद हुआ था।

इन तीन कसौटियों पर विचार: उस समय आयोग ने पार्टी के उद्देश्य एवं लक्ष्य, संविधान और संगठन में बहुमत समर्थन-इन तीन कसौटियों पर विचार किया था। पहले दोनों कसौटियों से स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल सका। तीसरी कसौटी में इंदिरा गांधी के गुट के पास पार्टी के अधिक सांसदों, विधायकों और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिक सदस्यों तथा प्रतिनिधियों का समर्थन पाया गया। जनवरी 1971 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाले गुट को वास्तविक कांग्रेस मानते हुए ‘दो बैलों की जोड़ी’ चुनाव चिह्न दिया गया। बाद में

सुप्रीम कोर्ट ने भी आयोग के फैसले और उसकी इस तरह के विवाद में निर्णय लेने की शक्ति को बरकरार रखा था।

तृणमूल की राजनीतिक यात्रा में अहम रही है चुनाव चिह्न की भूमिका

1998 में ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद से ही ‘दो फूलों के साथ घास’ चुनाव चिह्न ने पार्टी के सफर में अहम भूमिका निभाई है। तृणमूल में बगावत के बाद पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न जब किए जाने की नौबत आई है। जून में 58 विधायकों ने ममता गुट के उम्मीदवार सोवन्देब चट्टोपाध्याय की जगह पार्टी से निकाले गए नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में विपक्ष का नेता चुन लिया। तृणमूल के 28 साल के इतिहास में यह पहली फुट थी। पांच दिन बाद काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में 20 लोकसभा सदस्यों ने भी बगावत का झंडा उठा लिया और कम जानी-पहचानी एनसीपीआइ का दामन थाम लिया।

हिमाचल के सरकारी स्कूलों का गणित: बच्चे घटे, खर्च बढ़ गया, प्राइमरी में हर छात्र पर खर्च हो रहे 5219 रुपये महीना

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या लगातार घट रही है, लेकिन शिक्षकों के वेतन का खर्च बना हुआ है। स्कूल शिक्षा निदेशालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्राथमिक कक्षाओं में एक विद्यार्थी पर औसतन 5219 रुपये प्रतिमाह, जबकि अपर प्राइमरी में 3915 रुपये प्रतिमाह खर्च आ रहा है। घटते नामांकन के बीच प्रति विद्यार्थी बढ़ता वित्तीय भार अब सरकारी स्कूलों के युक्तीकरण, शिक्षक तैनाती और नामांकन बढ़ाने की रणनीति के लिहाज से अहम हो गया है। यू-ड्राइस आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 में सरकारी स्कूलों की पहली से पांचवीं कक्षा में 3,04,132 विद्यार्थी पंजीकृत थे। 2025-26 में यह संख्या घटकर 2,18,969 रह गई। यानी पांच साल में 85,163 विद्यार्थी कम



हुए। इसी अवधि में प्राथमिक शिक्षकों के वेतन पर 8397.35 करोड़ रुपये खर्च किए गए। ऐसे में विद्यार्थियों की संख्या घटने के साथ प्रति विद्यार्थी खर्च का आंकड़ा शिक्षा व्यवस्था में संसाधनों के इस्तेमाल का महत्वपूर्ण संकेतक बन गया है।

कि घटते नामांकन के बीच

अपर प्राइमरी में भी घटा नामांकन: कक्षा छठी से दसवीं तक भी नामांकन में कमी आई है। वर्ष 2021-22 में यहां 3,50,650 विद्यार्थी थे, जो 2025-26 में घटकर 3,19,289 रह गए। इस

के युक्तीकरण पर आने वाले समय में फैसलों का आधार बन सकता है।

आरटीई के तहत होगा निजी स्कूलों को भुगतान: शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में पढ़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के पात्र विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति अब इन्हीं दरों के अनुसार करेगी। पिछले वर्ष की अपेक्षा इसे बढ़ाया गया है। प्राथमिक कक्षाओं के लिए प्रति छात्र मासिक खर्च 5,219 रुपये, उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए 3,915 रुपये निर्धारित किए गए हैं। नई दरें वित्तीय वर्ष 2026-27 और 2027-28 के लिए लागू रहेंगी। निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीट आरक्षित है। स्कूलों को इस फीस का भुगतान सरकार करती है।

गणेश विसर्जन से लौटते वक्त इनोवा कार हादसे का शिकार, चार लोगों की मौत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के हैदराबाद के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि गाड़ी का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। शमशाबाद पुलिस के अनुसार, यह भीषण सड़क दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर पालमकुला गांव के बाहरी इलाके में हुई। बताया जा रहा है कि एक इनोवा कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार चार लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान 54 वर्षीय व्यवसायी केथावथ लिंब्या, उनकी 45 वर्षीय पत्नी व गृहिणी केथावथ जमुना, 48 वर्षीय व्यवसायी कट्टावथ मानसिंह और लिंब्या के 45 वर्षीय बेटे केथावथ वाश्राम के रूप में हुई है।

गणेश विसर्जन से लौट रहे थे पीड़ित: पुलिस के मुताबिक, हादसे का शिकार हुए सभी लोग



महबूबनगर स्थित अपने पैतृक गांव से वापस लौट रहे थे। ये सभी लोग गांव में गणेश विसर्जन की रस्मों और कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए गए थे। विसर्जन के बाद वापसी के दौरान ही यह जानलेवा हादसा हो गया। पीड़ित परिवार महबूबनगर के नवाबपेट गांव स्थित अपने पैतृक गांव मेटुगुड्डा थंडा से गणेश विसर्जन के बाद एक चार पहिया वाहन से शमशाबाद की ओर जा रहा था। इस भयानक हादसे में कार के ड्राइवर को गंभीर चोटें आई हैं। शमशाबाद पुलिस ने बताया कि घायल ड्राइवर की पहचान सबावथ अशोक के रूप में हुई है। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए शमशाबाद के एक निजी अस्पताल, ट्राइडेंट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

चीन ने बदल दिया तेल का पूरा खेल बड़ा स्टॉक जमा कर बदली रणनीति

अब निर्यातक देशों पर निर्भर नहीं रहा बाजार

शिमला, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा कि भारत का सुप्रीम कोर्ट केवल कानूनी फैसले ही नहीं देता, बल्कि समय-समय पर राष्ट्रीय एकता और देशहित से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश भी देता है। शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय के लिए भूमि उपलब्ध कराने के निर्देशों का पालन करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अदालत ने

यह भी स्पष्ट किया कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी, ऐसा नहीं हो सकता। चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा तथा शिक्षा नीति जैसे विषयों पर संवाद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फैसले में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने इस बात पर जोर दिया कि चेन्नई के लोगों को दिल्ली से अलग-थलग नहीं पड़ना चाहिए और न ही दिल्ली के लोगों को चेन्नई से अलग-थलग होना चाहिए। शांता

ग्रीनलैंड पर ट्रंप का नया दांव: कब्जे की धमकी के बाद डेनमार्क से समझौता, बढ़ेगी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एलान किया कि अमेरिका और डेनमार्क के बीच ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने को लेकर समझौता हो गया है। खास बात यह है कि इस समझौते के बावजूद ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन ही रहेगा। ट्रंप ने पिछले कई महीनों से इस द्वीप को अमेरिका के नियंत्रण में लेने की बात कही थी और सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना से भी इनकार नहीं किया था।

अमेरिका को समझौते से क्या मिलेगा: डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि समझौता ग्रीनलैंड की सुरक्षा और अमेरिका की दूसरी जरूरतों पर



उसे स्थायी नियंत्रण देता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन ग्रीनलैंड में बड़ी अमेरिकी सैन्य मौजूदगी विकसित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करेगा। खनिज संसाधनों से समृद्ध है और आर्कटिक में इसकी रणनीतिक स्थिति इसे अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

मामले से जुड़ी अहम बातें:

समझौते के तहत ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन ही रहेगा और उसकी संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता दी गई है। अमेरिका ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू करेगा और सुरक्षा से जुड़ी भूमिका मजबूत होगी। ग्रीनलैंड में किसी गैर-नाटो देश का सैन्य अड्डा बनाने की अनुमति नहीं होगी। रूस और चीन को ग्रीनलैंड में सैन्य अड्डा बनाने से रोकने की व्यवस्था होगी।

विरोधी देशों के ग्रीनलैंड में निवेश करने की क्षमता को भी सीमित किया जाएगा। समझौते पर अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारें अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हस्ताक्षर करेंगी। समझौते

सऊदी अरब और हूतियों में बढ़ा तनाव: रियाद में फिर सुनी गई धमाकों की आवाज, यमन में भी हुए हमले

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार तड़के धमाकों की आवाजें सुनी गईं। स्थानीय लोगों को मोबाइल ऐप के जरिए हवाई सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। बाद में सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि रियाद और अल-खर्ज में खतरा टल गया है। साथ ही, लोगों से अपील की गई कि वे निर्देशों का पालन करते रहें और भीड़ न लगाएं या वीडियो न बनाएं। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में उनके कब्जे वाले इलाकों पर 26 हमले किए हैं। ईरान-समर्थित इस गुट और यमन की रियाद-समर्थित सरकार के बीच देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ गया है। गुट ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके ठिकानों पर सऊदी हमलों की संख्या 300 तक पहुंच गई है और इन हमलों में हूती-निर्यात यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया।

पहले भी दी गई है चेतावनी: इससे पहले चेतावनी दी गई थी, ‘अल-खर्ज’ गवर्नरट में आपातकालीन स्थितियों के लिए राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी मंच ने खतरे की चेतावनी देने के लिए एक अलर्ट जारी किया



है।’ सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ में हूती समूह के एक ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया था।

दोनों के बीच बढ़ तनाव: सऊदी अरब

और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। हूतियों ने सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कई लोगों के घायल होने और घरों-वाहनों को नुकसान की खबर है। वहीं, सऊदी अरब ने भी यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही सऊदी

का दावा है कि मक्का की ओर बढ़ रहे एक ड्रोन को भी मार गिराया गया, हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है। अब इस संघर्ष का असर सऊदी की अहम ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर भी पड़ा है। सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको ने कम से कम दो यूरोपीय

रिफाइनिंग ग्राहकों को बताया है कि उन्हें अगले महीने यानी अक्टूबर में कच्चे तेल की डिलीवरी नहीं मिलेगी। यूरोपीय रिफाइनर आम तौर पर अरामको से दीर्घकालिक अनुबंध के तहत हर महीने सऊदी कच्चा तेल खरीदते हैं, लेकिन इस बार अक्टूबर की डिलीवरी रोक दी गई है।

सऊदी अरब 48 एफ-35 लड़ाकू खरीदेगा

उधर, अमेरिका ने सऊदी अरब को 48 एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का रास्ता साफ कर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने 24.3 अरब डॉलर (लगभग 2 लाख करोड़ रुपये) की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब रियाद हूतियों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए वॉशिंगटन से सैन्य मदद मांग रहा था।

पाइपलाइन पर हमले का क्या असर हुआ

यह फैसला सऊदी अरब की अहम ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर ड्रोन हमले के बाद आया है। हमले के कारण पाइपलाइन को बंद करना पड़ा और तीन पीपिंग स्टेशन क्षतिग्रस्त हुए। इसके चलते लाल सागर के तट पर स्थित यानबू बंदरगाह से तेल की लौडिंग भी प्रभावित हुई। सऊदी अरब ने पहले ही यूरोपीय ग्राहकों को कुछ कच्चे तेल की खेप रद्द होने की जानकारी दी थी। वयों हो रहे हैं यह हमले : यह युद्ध 2014 में हूती विद्रोहियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करने के साथ शुरू हुआ था। 2022 से यह युद्ध काफी हद तक रुका हुआ था, लेकिन जुलाई में यह फिर से भड़क उठा। सऊदी अरब 2015 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का नेतृत्व कर रहा है।

जल जीवन मिशन की योजनाओं के शेष कार्य दिसंबर तक पूरे करने के निर्देश

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने की समीक्षा, 2 अक्टूबर तक नल-जल योजनाओं के हैंडओवर और नियमित पेयजल आपूर्ति पर जोर



मौडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, धौहनी विधायक कुँवर सिंह टेकाम एवं कलेक्टर विकास मिश्रा की उपस्थिति में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित एकल ग्राम नल-जल योजनाओं एवं समूह जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई बैठक में योजनाओं के निर्माण, संचालन,

खरखाव तथा ग्रामीण परिवारों को नियमित एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को शुद्ध एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल जीवन

मिशन के अंतर्गत योजनाओं के शेष कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करकर ग्रामीणों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें उन्होंने नल-जल योजनाओं का 2 अक्टूबर तक हैंडओवर, हैंडपंपों का समय पर रखरखाव एवं मरम्मत, पेयजल स्रोतों में नियमित क्लोरीनेशन तथा सभी योजनाओं का सर्वे कर उनकी वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए सांसद ने कहा कि छोटी-छोटी तकनीकी अथवा व्यवस्थागत समस्याओं के कारण नल-जल योजनाएं बंद नहीं रहनी चाहिए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से समस्याओं का तत्काल निराकरण करें उन्होंने अधिकारियों से जिम्मेदारी तय करते हुए समाधान पर केंद्रित होकर कार्य करने को कहा साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर पात्र परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा योजनाओं के संचालन एवं उनसे

मिलने वाले लाभ की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए धौहनी विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने बैठक में वास्तविक रूप से संचालित नल-जल योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली उन्होंने सभी योजनाओं के शेष कार्यों को दिसंबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए विधायक ने कहा कि ग्राम पंचायतों को योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव के लिए तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाना आवश्यक है ताकि स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होने वाली छोटी तकनीकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सके उन्होंने बिजली अथवा मोटर में खराबी के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित नहीं होने देने के लिए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्था तथा समय पर मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों को जल जीवन मिशन की योजनाओं की नियमित

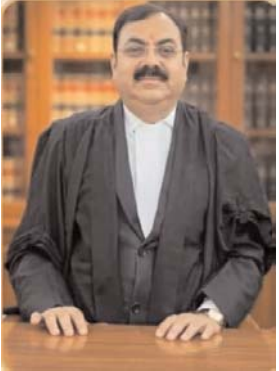
मॉनिटरिंग करने और आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुचारु बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है कलेक्टर ने संचालित योजनाओं की जनपदवार सूची तैयार कर जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए इसके साथ ही प्रत्येक प्रगतिरत योजना की वर्तमान स्थिति, पूर्ण हो चुके कार्य और शेष कार्यों की जानकारी भी साझा करने को कहा बैठक में देवेन्द्र त्रिपाठी, प्रमोद द्विवेदी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री त्रयम्बकेश कुमार द्विवेदी, मध्यप्रदेश जल निगम के महाप्रबंधक नीरव अग्रवाल सहित सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे बैठक में अधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया।



कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए बोर्ड ने क्षतिग्रस्त एम्बेकमेंट की निर्धारित डिजाइन के अनुसार मरम्मत और उचित कॉम्पैक्टिंग कराने को कहा है डाउनस्ट्रीम स्लोप की ग्रेडिंग के साथ कटाव रोकने के लिए प्रभावी ड्रेनेज सिस्टम विकसित करना होगा एश डाइक में मौजूद दरारों और कटाव वाले हिस्सों की मरम्मत के साथ जियोटेक्निकल असेसमेंट तथा डाइक की स्थिरता का विश्लेषण भी कराया जाएगा निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए टो-ड्रेन और गैबियन वाल बनाने, आवश्यक स्थानों पर सीसीटीवी

कैमरे और ऑटोमेटेड अलर्ट वार्निंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए गए हैं। पाईजोमीटर के माध्यम से पानी के दबाव और जल स्तर की निगरानी तथा सेल्वमेंट और डिफेंशन की नियमित निगरानी भी करनी होगी। आदेश के अनुसार एश डाइक के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत पूरी होने और सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापन किए जाने के बाद ही Lagoon-1 में फ्लाई-ऐश स्लरी का निपटान दोबारा शुरू किया जा सकेगा इससे एश डाइक की तकनीकी सुरक्षा और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है।

पूर्व न्यायाधीश के निर्वाचित होने पर रीवा के अधिवक्ता समुदाय में हर्ष, साथियों ने दी बधाई



मौडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व न्यायाधीश सुनील कुमार मिश्रा ने मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के वर्ष 2026 के चुनाव में सदस्य के रूप में निर्वाचित होकर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है पहली बार चुनाव मैदान में उतरने के बावजूद निर्वाचित होने पर रीवा के अधिवक्ता समुदाय में हर्ष का माहौल है उनके निर्वाचन के बाद साथी अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई

देते हुए सफल एवं सार्थक कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं अधिवक्ताओं ने कहा कि सुनील कुमार मिश्रा का न्यायिक एवं विधिक क्षेत्र में लंबा अनुभव राज्य अधिवक्ता परिषद के लिए उपयोगी साबित होगा न्यायिक कार्यों की समझ और विधि के क्षेत्र में अनुभव के आधार पर वे अधिवक्ताओं से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रभावी ढंग से परिषद के समक्ष रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं उनके निर्वाचन से रीवा के अधिवक्ता समुदाय में भी उत्साह देखा जा रहा है। अधिवक्ताओं का कहना है कि राज्य अधिवक्ता परिषद अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करने वाली संस्था है। ऐसे में परिषद में रीवा से प्रतिनिधित्व मिलने से स्थानीय अधिवक्ताओं की समस्याओं, व्यावसायिक हितों तथा अन्य आवश्यक मुद्दों को व्यापक स्तर पर रखने का अवसर

मिलेगा सुनील कुमार मिश्रा के निर्वाचन की जानकारी मिलते ही अधिवक्ता साथियों ने उनसे मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं इस दौरान उनके अनुभव और सेवाओं का उल्लेख करते हुए उम्मीद जताई गई कि वे परिषद में अधिवक्ता समुदाय की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर अधिवक्ता प्रदीप त्रिपाठी 'भोले', संदीप कुमार तिवारी, पूर्व सचिव जिला अधिवक्ता संघ रीवा, वृंदावन शुक्ला, संजय पाण्डेय, लोकेश तिवारी, महेन्द्र मिश्रा, शिव कुमार पाण्डेय, दिनेश मिश्रा, जयशंकर मिश्रा, त्रिगुणसेन तिवारी, विजय शर्मा, रावी सिंह, राजकुमार त्रिपाठी, गोपेन्द्रमणि त्रिपाठी, जुगलकिशोर पयसी, प्रदीप शर्मा, शिवम पाठक, शैलेश पाण्डेय, गंगा तिवारी, अखिलेश सिंह तिवारी, राजेश तिवारी सहित अन्य अधिवक्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए सुनील कुमार मिश्रा को बधाई दी।

भारतीय ज्ञान परंपरा व्यक्ति को समाज और राष्ट्र से जोड़ने का मार्ग दिखाती है : डॉ. जादौन



मौडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एकसीलेंस, शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत शनिवार को भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित सामाजिक विषय पर प्रथम व्याख्यान आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित सामाजिक मूल्यों, कर्तव्यबोध, समरसता और राष्ट्र जीवन के प्रति जिम्मेदारी से परिचित करना रहा

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. वासुदेव सिंह जादौन ने विषय के विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे डॉ. जादौन ने एकात्म बोध की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यक्ति जब स्वयं को परिवार, समाज और राष्ट्र से जोड़ता है तभी वास्तविक एकात्म भाव विकसित होता है उन्होंने व्यष्टि से समष्टि की ओर बढ़ने की आवश्यकता बताते हुए



कर्तव्यनिष्ठा, सेवा भाव और सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने समन्वयवाद की चर्चा करते हुए भौतिक एवं आध्यात्मिक पक्षों के बीच संतुलन को आवश्यक बताया साथ ही स्वधर्म को व्यक्ति के स्वभाव और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए गीता में वर्णित सात्त्विक, राजसिक एवं तामसिक गुणों की व्याख्या की व्याख्यान में डॉ. जादौन ने सामाजिक समरसता को समाज के सभी वर्गों के साथ समान भाव

से रहने की भावना बताया। उन्होंने भावनात्मक जुड़ाव, भेदभाव एवं अस्पृश्यता से मुक्ति, विविधताओं के सम्मान तथा अंत्योदय की भावना को सामाजिक समरसता के प्रमुख आधार के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार शरीर के किसी एक अंग की समस्या का प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है, उसी प्रकार समाज के किसी एक वर्ग की समस्या का प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रविन्द्र नाथ तिवारी ने कहा

कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल ज्ञान अर्जित करने की परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली मूल्यपरक परंपरा है उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी आवश्यक है। सामाजिक समरसता के लिए विविधताओं का सम्मान, परस्पर सहयोग और संवेदनशीलता जरूरी है शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों का निर्माण करना भी है कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. स्वाति शुक्ला, डॉ. सुलभ सिंह सेंगर, डॉ. स्वाति त्रिपाठी, डॉ. आशीष सेन सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित सामाजिक चिंतन, कर्तव्यबोध और समरसता के मूल्यों को समझने का अवसर मिला।

काशी से वड़नगर जा रही बाइक यात्रा का चितरंगी में स्वागत,जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर राज्यमंत्री राधा सिंह ने बाइक यात्रियों का किया सम्मान

मौडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर काशी से वड़नगर तक निकाली जा रही बाइक यात्रा शनिवार को सिंगरौली जिले की चितरंगी सीमा में पहुंची। ग्राम पंचायत देवरा में पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने बाइक यात्रा में शामिल यात्रियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया इस दौरान प्रदेश सरकार की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा चितरंगी विधायक राधा सिंह और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कांत देव सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे राज्यमंत्री राधा सिंह और कांत देव सिंह ने बाइक यात्रा में



शामिल यात्रियों को अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे यात्रा के चितरंगी पहुंचने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया और उन्होंने बाइक सवारों का स्वागत करते हुए यात्रा के

प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं राज्यमंत्री राधा सिंह ने कहा कि काशी से वड़नगर तक निकाली जा रही यह बाइक यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा और राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लंबे समय से देश की

सेवा और जनकल्याण के कार्यों में अपनी भूमिका निभाई है यह यात्रा उनके सेवा और समर्पण के 25 वर्षों को लोगों तक पहुंचाने का माध्यम है उन्होंने कहा कि जनसेवा का भाव लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाना आवश्यक है यात्रा के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से संपर्क भी स्थापित हो रहा है और सेवा के संदेश को व्यापक स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कांत देव सिंह सहित पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों ने भी बाइक यात्रियों का स्वागत किया ग्राम

पंचायत देवरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ बाइक यात्रा में शामिल लोगों का अभिनंदन किया यात्रियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। बताया गया कि यह बाइक यात्रा काशी से प्रारंभ होकर विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनमस्थान वड़नगर तक पहुंचेगी। यात्रा के दौरान अलग-अलग स्थानों पर स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं लोगों द्वारा बाइक यात्रियों का स्वागत किया जा रहा है। यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्षों से जुड़े संदेश को लोगों तक पहुंचाने का उद्देश्य बताया गया है।

ब्यौहारी में युवक-महिला से लूट , 12 घंटे में चार आरोपी गिरफ्तार एसपी के निर्देश पर चार पुलिस टीमों ने रातभर चलाया तलाशी अभियान, बाइक-मोबाइल और नकदी समेत 1.60 लाख का सामान बरामद



मौडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी थाना क्षेत्र में युवक और उसकी महिला रिश्तेदार के साथ मारपीट कर लूट करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया आरोपियों के कब्जे से लूटी हुई मोटरसाइकिल, मोबाइल, नकदी और अन्य सामान समेत करीब 1.60 लाख रुपए का माल बरामद किया गया है कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार

अग्रवाल के निदेश पर की गई पुलिस के अनुसार बरकछ गांव निवासी अभिषेक चतुर्वेदी (27) सत करीब 10 बजे अपनी महिला रिश्तेदार के साथ मोटरसाइकिल से मऊ तिगहा की ओर जा रहे थे मऊ-तिगहा के पास पुलिस पर दोनों कुछ देर के लिए रुके थे इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों से चार युवक वहां पहुंचे और दोनों को घेर लिया आरोपियों ने उनसे मोबाइल और रुपए देने की मांग की अभिषेक और महिला ने विरोध किया तो

आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी पुलिस के मुताबिक अभिषेक को डंडे से पीटा गया, जबकि महिला के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई इसके बाद आरोपी महिला का मोबाइल और 900 रुपए नकद छीनकर ले गए अभिषेक का पर्स भी आरोपी अपने साथ ले गए। पर्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड और 600 रुपए नकद रखे थे आरोपी दोनों की मोटरसाइकिल भी लेकर फरार हो गए घटना की सूचना डायल-112 के माध्यम से पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। एसपी के निदेश पर पुलिस की चार अलग-अलग टीमें गठित की गईं। टीमों ने जंगल, संभावित छिपनाओं और आरोपियों के आने-जाने वाले परतों पर रातभर सर्चिंग अभियान चलाया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित

मौडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में शनिवार को मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और विचारों के माध्यम से भारत के उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना प्रस्तुत की चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छ एवं सुंदर भारत, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, आत्मनिर्भरता, तकनीकी प्रगति, सामाजिक समरसता तथा विकसित भारत जैसे विभिन्न विषयों को अपनी कलाकृतियों

के माध्यम से अभिव्यक्त किया वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने सपनों के भारत की कल्पना, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका तथा देश के विकास में नागरिकों के योगदान जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए प्रतियोगिता के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं अधिकारियों ने पहुंचकर विद्यार्थियों की प्रतिभा और उत्साह का अवलोकन किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कार प्रदान किए गए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1, सीधी पहुंचकर प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों से संवाद किया और

उनकी रचनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया इसी प्रकार कलेक्टर विकास मिश्रा ने सरस्वती विद्यालय, जमोड़ी में पहुंचकर विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां देखीं तथा प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी कल्पनाओं और भविष्य के भारत को लेकर उनके विचार भी जाने। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन प्रतियोगिताओं को विद्यालय से राज्य स्तर तक ले जाने के लिए चरणबद्ध कार्यक्रम निर्धारित किया गया है 21 सितम्बर की विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों एवं अन्य प्रस्तुतियों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी तथा पालक-शिक्षक संघ की बैठक भी होगी।

रामपुर नैकिन में युवा संगम रोजगार मेले में 182 युवाओं का प्राथमिक चयन

248 युवक-युवतियों ने कराया पंजीयन, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत दो हितग्राहियों को 15 लाख रुपए का ऋण वितरित

मौडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में शनिवार को नगर परिषद रामपुर नैकिन के मंगल भवन में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार कार्यालय सीधी, आईटीआई सीधी, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेले में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर रोजगार और स्वरोजगार से संबंधित अवसरों की जानकारी प्राप्त की जॉब फेयर एवं कैरियर कौंसिलिंग योजनांतर्गत आयोजित मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर की निजी क्षेत्र की



लगभग 9 कंपनियों ने सहभागिता की रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए कुल 248 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया विभिन्न कंपनियों द्वारा आवेदकों की योग्यता और आवश्यकताओं के आधार पर 182 अभ्यर्थियों का

प्राथमिक चयन किया गया चयनित अभ्यर्थियों को संबंधित कंपनियों की ओर से ऑफर लेटर भी प्रदान किए गए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष रामकुमार साहू, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय

तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चुरहट अजय शर्मा उपस्थित रहे अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ली तथा विधानसभा क्षेत्र चुरहट के पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के अंतर्गत हितलाभ वितरित किए। इसी क्रम में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत दो हितग्राहियों को कुल 15 लाख रुपए का ऋण प्रदान किया गया इस सहायता का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने और अपने व्यवसाय एवं उद्यम को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराना है कार्यक्रम में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के विकल्पों से जुड़ने

के लिए प्रोत्साहित किया गया मेले में विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग स्टॉल लगाए गए इन स्टॉल के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं, ऋण सुविधा, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी गई युवाओं की रसिद, योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए कैरियर मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया गया स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वय उपलब्ध कराई जा रही।

दीये में आग, मंदिर में चिता

संपादकीय

देखने में ही यह घटना कानून की दगाह में मानव प्रवृत्तियों का जनाजा उड़ाती है, लेकिन आधुनिक काल में खुद को ईश्वर के पंखाल में सजा देना, कई प्रश्नों से भरा है। ठीक ज्वालामुखी मंदिर के सामने स्वयं अपनी चिता जलाने की कोशिश में राजस्थान से आया श्रद्धालु बुरी तरह झुलस गया। घटना के कानूनी पहलू या तो पुलिस तफतीश से पूरे होंगे या उपचाराधीन श्रद्धालु का चिकित्सकीय इलाज बताएगा कि नसों में कितना जीवन बचा है। अपने आप में यह घटना मानव सभ्यता के उसूलों के

विरुद्ध और ईश्वरीय विश्वास के खिलाफ भय पैदा करती है, लेकिन बड़ी बात यह कि इससे मंदिर परिसरों में सुरक्षा के दायरे जरूर टूटें हैं। एक आदमी हजारों मंचों पर विभिन्न परिस्थितियों का गवाह है। ठीक इसी तरह जब कोई ज्वालामुखी मंदिर परिसर में आग लगाकर जल रहा था, तो दूसरे मंच पर आशीर्वाद के दीपक जलाकर एक हिंदोस्तान प्रधानमंत्री का जन्म दिन मना रहा था। दोनों के इजहार में देश की स्थिति और निजी परिस्थितियां शिरकत कर रही थीं। राजस्थान से ज्वालामुखी

पहुंचकर अगर एक श्रद्धालु मंदिर परिसर में स्वयं को आग लगा लेता है, तो यह एक नागरिक के प्रश्नों की आग है। वह निजी जिंदगी के तमारां से आजिज हो सकता है या बतौर नागरिक टूट सकता है। उसके कुछ निजी झगड़े या कमजोरियां होंगी। उसके सामने समाज और देश के हालात बिगड़े होंगे या अपनी बेडियों का एहसास टूट चुका होगा। वह एक टूटा हुआ एहसास रहा

होगा, जो मां के दरबार में जलती ज्वाला से अपने शरीर की आग मिला रहा होगा, लेकिन इसके नागरिक समाज की इच्छाएं, जेबें और सपने जलते हैं। किसी की शोहरत का धुआं किसी की आंख में जल रहा है, शहर की हर पताका में शहंशाह का गुरूर दिख रहा है। देश के लिए दीये जलाना गौरव का विषय हो सकता है, तो आस्था के सैलाब किसी आदमी का स्वयं को जलाना राष्ट्रीय पश्चाताप क्यों नहीं। कभी दीप से दीप जलाने की मंशा में राष्ट्र भक्ति का संदेश

चलाओगे, यहां के दरियाओं ने खुद को ही जला रखा है। देश में आग के कई दरिया हैं और जहां नागरिक समाज की इच्छाएं, जेबें और सपने जलते हैं। किसी की शोहरत का धुआं किसी की आंख में जल रहा है, शहर की हर पताका में शहंशाह का गुरूर दिख रहा है। देश के लिए दीये जलाना गौरव का विषय हो सकता है, तो आस्था के सैलाब किसी आदमी का स्वयं को जलाना राष्ट्रीय पश्चाताप क्यों नहीं। कभी दीप से दीप जलाने की मंशा में राष्ट्र भक्ति का संदेश

उभरता था, लेकिन आज व्यक्ति पूजा के लिए उत्सव मनाना एक रिकार्ड है और इसीलिए कई घाटों पर जब लाखों दीये जले होंगे, तो जनता को उसमें भी नया भारत नजर आया होगा। काश कोई दीया उस आत्मघाती इंसान को पहले दिखाई देता, जिसने ज्वालामुखी मंदिर परिसर में जलकर अपना बर्बाद किया। वता नहीं अपशगुन कहां हुआ। मां के मंदिर में आकर एक श्रद्धालु का खुद को आग लगाना या एक जीवित व्यक्ति के नाम पर करोड़ों दीपों का रिकार्ड सहित जल जाना।

अमेरिका की संसद से निकली 100 प्रतिशत टैरिफ मिसाइल !

वैश्विक स्तरपर मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका की संभावित 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ की तलवार, इन तीनों घटनाक्रमों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने एक साथ कई नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं ।भारत के लिए यह परिस्थिति इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के एक बड़े हिस्से के लिए आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है ।एक ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने से आयात बिल, परिवहन लागत और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका की संसद से पारित लिंडसे ओ.ग्राहम सेंथार्निंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ़ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों के लिए नई अनिश्चितता पैदा कर दी है अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर को यह विधेयक 262-159 मतों से पारित किया, जबकि सीनेट इसे अगस्त में 86/11 से पहले ही पारित कर चुकी थी ।

किशन सनमुखदार भावना की

अब विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर की प्रक्रिया में है।यानी गेंद अप ट्रंप के पहले में चली गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदार भावना की गोदिया महाराष्ट्र बहातना चाहूंगा कि यहां अमेरिकी व्यवस्था को समझना भी जरूरी है।भारत की संसद में जिस प्रकार लोकसभा और राज्यसभा मिलकर कानून बनाने की प्रक्रिया पूरी करती है, उसी प्रकार अमेरिका में हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स याने प्रतिनिधि सभा और सेनेट याने सीनेट कांग्रेस के दो सदन हैं।किसी विधेयक को कानून बनने के लिए दोनों सदनों से पारित होना और फिर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलना आवश्यक होता है।इसलिए फिलहाल इसे भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो चुका मानना सही नहीं होगा।मौजूदा स्थिति यह है कि दोनों सदनों से विधेयक पारित हो चुका है और राष्ट्रपति के पास पहुंच गया है।कानून बनने के बाद भी 100प्रतिशत टैरिफ भारत पर अपने आप नहीं लग जाएगा; राष्ट्रपति को उपलब्ध वैधानिक अधिकारों और संबंधित परिस्थितियों के आधार पर कार्यवाही करनी होगी।रिपोर्टों के अनुसार कानून में रूस से ऊर्जा खरीदने वाले प्रमुख देशों पर सटीक 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की शक्ति का प्रावधान है, जबकि कुछ परिस्थितियों में रूस की ऊर्जा परनिर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठाने वाले देशों के लिए अपवादों की गुंजाइश भी बताई गई है।विदेश मंत्रालय ने 17 सितंबर 2026 को स्पष्ट किया कि भारत अपनी 140 करोड़ से अधिक आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोतों और बदलती बाजार परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेता रहेगा।मंत्रालय ने यह भी कहा कि इस विषय पर अमेरिका के साथ उच्चस्तरीय चर्चा हुई है और भारत अपने व्यापारिक तथा आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

साथियों,भारत के लिए असली चुनौती यहीं से शुरू होती है। रूस से कच्चा तेल खरीदने का आर्थिक तर्क यह रहा है कि उपलब्ध परिस्थितियों में रूसी क्रूड भारतीय रिफाइनरियों के लिए प्रतिस्पर्धी कीमत और आपूर्ति विविधीकरण का महत्वपूर्ण स्रोत बना है। यदि अमेरिकी दबाव के कारण भारतीय कंपनियों को रूसी तेल की खरीद घटानी पड़ती है, तो विकल्प के रूप में इराक, सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,अमेरिका, ब्राजील, नाइजीरिया और अंगोला जैसे स्रोतों से खरीद बढ़ाई जा सकती है।लेकिन किसी एक स्रोत को अचानक बड़े पैमाने पर बदलना केवल राजनीतिक निर्णय नहीं होता,इसमें कीमत,क्रूड की गुणवत्ता, रिफाइनरी की तकनीकी जरूरत,समुद्री मालभाड़ा, बीमा,भुगतान व्यवस्था और उपलब्धता जैसे अनेक आर्थिक पहलू शामिल होते हैं।इसलिए भारत का घोषित रुख,ऊर्जा सुरक्षा के लिए विभिन्न देशों से खरीद का विविधीकरण व्यावहारिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।भारत के विदेश मंत्रालय ने भी 17 सितंबर को स्पष्ट किया कि उसकी प्राथमिकता देश की 140 करोड़ विशाल आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है और वह घटनाक्रम पर नजर रख रहा है।

साथियों कृया इसे 12-13 सितंबर 2026 को भारत की मेजबानी में हुए ब्रिक्स सम्मेलन और भारत-रूस- चीन की सक्रिय कूटनीतिक निकटता की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए? इसे सीधे तोर पर ब्रिक्स सम्मेलन की प्रतिक्रिया



कहना अभी प्रमाणित तथ्य नहीं होगा। समय का मेल जरूर ध्यान आकर्षित करता है,ब्रिक्स बैठक के तुरंत बाद अमेरिकी विधेयक का अंतिम चरण में पहुंचना और रूस-चीन-भारत के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक संवाद का लगातार बढ़ना एक व्यापक भू- राजनीतिक संदर्भ बनाता है। लेकिन किसी कानून के पीछेसम्मेलन को प्रत्यक्ष कारण बताने के लिए ठोस सरकारी या विधायी प्रमाण आवश्यक होंगे। इसलिए इसे फिलहाल रणनीतिक प्रतिस्पर्धा की व्यापक पृष्ठभूमि और समय का संयोग, दोनों संभावनाओं के रूप में देखना अधिक तथ्यपरक होगा। अमेरिका का घोषित उद्देश्य अपनी ऊर्जा आिय से मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाना है, जबकि भारत का घोषित उद्देश्य अपनी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय आर्थिक हितों की रक्षा करना है।इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू कच्चे तेल की कीमत है। यदि मध्य-पूर्व का संघर्ष लंबा चलता है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर दबाव बना रहता है, तो महंगा रूसी तेल ही नहीं बल्कि गैर-रूसी तेल भी महंगा हो सकता है। ऐसे में भारत के सामने समस्या केवल यह नहीं होगी कि रूस से कितना तेल खरीदना है, बल्कि यह भी होगी कि यदि रूसी आपूर्ति घटती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध अतिरिक्त तेल कितनी कीमत पर मिलेगा। महंगा कच्चा तेल भारत के आयात बिल को बढ़ाता है, रुपये पर दबाव डाल सकता है और पेट्रोल-डीजल, परिवहन, विमानन, रक्षायन, प्लास्टिक तथा अनेक औद्योगिक क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि ऊर्जा सुरक्षा को केवल पेट्रोलियम मंत्रालय का विषय नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम उपभोक्ता से जुड़ा ठीक था से विषय माना जाता है।

है।मूडीज के आकलन में मजबूत घरेलू मांग, निवेश और अर्थव्यवस्था की अब तक दिखाई गई मजबूती महत्वपूर्ण कारक हैं। एजेंसी ने साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि लंबे समय तक ऊंची ऊर्जा कीमतें और अल नीनो से जुड़ी खाद्य महंगाई भविष्य में जोखिम बढ़ा सकती है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था ने बाहरी झटकों को अब तक काफी हद तक संभाला है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि महंगा तेल लंबे समय तक बिना प्रभाव के सटीकता से गुजर जाएगा।

साथियों, इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और नकदी प्रबंधन भी महत्वपूर्ण हो जाता है। 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रूपए की सरकारी प्रतिभूतियों की ओपन मार्केट ऑपरेशन बिक्री के जरिए अतिरिक्त बैंकिंग लिक्विडिटी को सोखने की प्रक्रिया बाजार के लिए महत्वपूर्ण संकेत है।सामान्य भाषा में समझें तो जब आरबीआई सरकारी बॉन्ड बेचता है, तो बैंकिंग प्रणाली से रुपये की अतिरिक्त नकदी बाहर जाती है।आरबीआई स्वयं स्पष्ट करता है कि ओएमओ बिक्री का उद्देश्य प्रणालीगत तरलता को कम करना है,जबकिओएमओ खरीद तरलता बढ़ाती है।आम ग्राहक के लिए इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके बैंक खाते से पैसा निकाल लिया गया या उसकी जमा राशि पर कोई सीधा खतरा पैदा हो गया। यह बैंकिंग प्रणाली और वित्तीय बाजार के स्तर पर होने वाला संस्थागत ऑपरेशन है। हालांकि इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव व्याज दरों के माध्यम से सामने आ सकता है। यदि बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी कम होती है तो बाजार की फंडिंग परिस्थितियां बदल सकती हैं और भविष्य में जमा तथा ऋण दरों पर असर पड़ सकता

है। लेकिन किसी मौजूदा ऋण की ईएमआई केवल इस ओएमओ बिक्री के कारण तुरंत बढ़ना जरूरी नहीं है; इसका वास्तविक प्रभाव ऋण के प्रकार, व्याज दर की सरचना और भविष्य में आरबीआई के व्यापकमौद्रिक रुख पर सटीकता से निर्भर करेगा।

साथियों, इस प्रकार सितंबर 2026 में भारत के सामने एक असाधारण आर्थिक संतुलन की स्थिति है। एक तरफ अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध,दूसरी तरफ रूस से प्रतिस्पर्धी ऊर्जा आपूर्ति, तीसरी तरफ मध्य-पूर्व का भू-राजनीतिक संकट और चौथी तरफ घरेलू आर्थिक विकास को बनाए रखने की आवश्यकता।।भारत के लिए समाधान किसी एक देश पर निर्भर रहने में नहीं बल्कि ऊर्जा स्रोतों,व्यापारिक साझेदारों,भुगतान प्रणालियों और रणनीतिक भंडार का लगातार विविधीकरण करने में दिखाई देता है।रूस से खरीद,पश्चिम एशिया के केपारंपरिक आपूर्तिकर्ता, अमेरिका और अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी स्रोत,सभी को परिस्थितियों के अनुसार संतुलित करना भारत की ऊर्जा रणनीति का हिस्सा बन सकता है।दीर्घकाल में घरेलू उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी,ऊर्जा दक्षता और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार आयात जोखिम को कम करने में सटीकता से मदद कर सकता है।

साथियों सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के सामने फिलहाल कोई तत्काल 100 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लागू नहीं हुआ है,बल्कि उसके लागू होने की संभावित शक्ति वाला अमेरिकी कानून राष्ट्रपति के स्तर पर लंबित है। इसलिए आने वाले दिनों में ट्रंप प्रशासन का निर्णय, भारत -अमेरिका व्यापार वार्ता, रूस से भारतीय तेल खरीद की दिशा, मध्य-पूर्व में संघर्ष की अवधि और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत,ये सभी कारक मिलकर आगे की तस्वीर तय करेंगे। मूडीज द्वारा 7 प्रतिशत वृद्धि अनुमान यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर घरेलू मांग और निवेश की ताकत मौजूद है, लेकिन महंगा तेल इस मजबूती की परीक्षा ले सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह केवल रूस बनाम अमेरिका या तेल बनाम टैरिफ का मामला नहीं है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता, महंगाई नियंत्रण, आर्थिक विकास और वैश्विककूटनीतिक संतुलन,इन सभी की एक साथ परीक्षा है। आने वाले समय में भारत की नीति का सबसे बड़ा प्रश्न यही रहेगा कि वह सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा की जरूरत को पूरा करते हुए अमेरिका समेत अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंधों को किस प्रकार संतुलित करता है। यही संतुलन यह तय करेगा कि मौजूदा वैश्विक संकट भारत की विकास गति पर अस्थायी दबाव बनाता है या देश की आर्थिक और ऊर्जा रणनीति को और अधिक विविध एवं आत्मनिर्भर बनाने का अवसर साबित होता है।

चीन के साथ सीमा आयोग पर भारत का दो टूक

को सौंपने की व्यवस्था की थी। भारत ने स्पष्ट किया है कि उसने इस समझौते को कभी मान्यता नहीं दी। भारत का आधिकारिक रुख यह भी है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्रशासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश



मंत्रालय ने पहले भी कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों तथा चीन से जुड़े ऐसे किसी भी कदम को भारत अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जोड़कर देखता है।

यही वह बिंदु है जहां कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की मूल स्थिति अलग दिखाई देती है। भारत जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अपने सवैधानिक तथा संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि पाकिस्तान अपने आधिकारिक बयानों में

जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दा बताता रहा है। मई 2026 में चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में भी पाकिस्तान ने चीन को जम्मू-कश्मीर की स्थिति से अवगत कराया और चीन ने इसे ऐतिहासिक रूप से लंबित विवाद बताते हुए संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा

की मांग करता है। दूसरी ओर, वह चीन के साथ ऐसे सीमा और संपर्क संबंधी ढांचे को आगे बढ़ा रहा है जिनका संबंध भारत द्वारा अपने क्षेत्र के रूप में दावा किए जाने वाले इलाकों से भी जुड़ता है। यही स्थिति भारत की ओर से गंभीर आपत्ति का कारण बनती है। पाकिस्तान की ओर से चीन के साथ सीमा आयोग को सीमा प्रबंधन और व्यापारिक संपर्क बढ़ाने के लिए उपयोगी बताया गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे दोनों देशों के बीच सहयोग का नया चरण बताया है। लेकिन भारत इसे अलग नजरिये से देखता है और मानता है कि भारतीय भूभाग से जुड़े किसी भी मामले में पाकिस्तान को चीन के साथ निर्णय लेने का अधिकार नहीं है।

ग्लोबलित-बाल्टिस्तान का महत्व भी इसी संदर्भ में सामने आता है। यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से भारत, पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान के निकट स्थित है तथा चीन-पाकिस्तान आर्थिक संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत के लिए इसका महत्व केवल क्षेत्रीय दावे तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरी सीमाओं की सुरक्षा और मध्य एशिया से जुड़े व्यापक भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ा है।

भारत का कहना है कि पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्र पर अपने कब्जे को समाप्त करना चाहिए और ऐसे कदमों से बचना चाहिए जिनसे उस कब्जे को किसी अन्य देश के साथ सहयोग के माध्यम से वैधता मिलने का आभास पैदा हो। भारत ने पहले भी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारों से संबंधित उन गतिविधियों पर आपत्ति जताई है जो उसके अनुसार

भारतीय संप्रभु क्षेत्र से गुजरती हैं।

कश्मीर पर पाकिस्तान की नीति में इसलिए एक स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर वह जम्मू-कश्मीर के भविष्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद और समाधान की बात करता है, दूसरी ओर पाकिस्तान-चीन सहयोग के ऐसे ढांचे को आगे बढ़ाता है जिनमें भारत द्वारा दावा किए गए क्षेत्रों से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं। भारत इसी आधार पर पाकिस्तान के रुख पर सवाल उठाता है और कहता है कि किसी तीसरे देश के साथ समझौते करके भारतीय भूभाग की स्थिति नहीं बदली जा सकती।

भारत का ताजा संदेश इसी लंबे समय से चले आ रहे रुख की पुनर्पुष्टि है। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को लेकर उसकी संप्रभुता की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और भारतीय क्षेत्रों से संबंधित पाकिस्तान-चीन सीमा सहयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि कश्मीर का प्रश्न केवल भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक मतभेद तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन की भूमिका के कारण इसका रणनीतिक और क्षेत्रीय आयाम भी लगातार महत्वपूर्ण बना हुआ है। ऐसे में पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग की शुरुआत ने कश्मीर से जुड़े मुद्दों में विवाद को एक बार फिर कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। भारत ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संबंध में उसकी संप्रभुता पर किसी बाहरी व्यवस्था का कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता।

कश्मीर पर पाकिस्तान की दोहरी नीति बेनकाब चीन के साथ सीमा आयोग पर भारत का दो टूक जवाब

कातिलाल मांडोट

भारतीय भूभाग पर फैसले का अधिकार किसी तीसरे देश को नहीं है। पाकिस्तान और चीन के बीच सीमा संबंधी सहयोग को लेकर भारत ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर अपना स्पष्ट रुख सामने रखा है। इस्लामाबाद में पाकिस्तान-चीन सीमा संयुक्त आयोग की पहली बैठक शुरू होने के बाद भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारतीय क्षेत्रों से संबंधित पाकिस्तान और चीन के बीच किसी भी प्रकार का सीमा सहयोग भारत के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र पर अपने अवैध कब्जे को समाप्त करने की मांग भी दोहराई है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार 16 सितंबर 2026 को दोनों देशों ने सीमा संयुक्त आयोग को औपचारिक रूप से सक्रिय किया। पाकिस्तान ने इसे सीमा प्रबंधन, संयुक्त सीमा सर्वेक्षण, व्यापारिक आवाजाही और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। यानी पाकिस्तान इस तंत्र को चीन के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के साधन के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

भारत की आपत्ति का मूल कारण यही है कि पाकिस्तान और चीन के बीच प्रस्तावित सीमा सहयोग का संबंध उन क्षेत्रों से भी जुड़ता है जिन्हें भारत अपना संप्रभु भूभाग मानता है। भारत का कहना है कि किसी ऐसे क्षेत्र के संबंध में दो अन्य देश आपस में कोई व्यवस्था नहीं कर सकते जो भारत की संप्रभुता से संबंधित हैं। इसी आधार पर नई दिल्ली ने पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग को कानूनी आधार से रहित बताया है।

1963 का समझौता भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया भारत की आपत्ति का एक महत्वपूर्ण आधार 2 मार्च 1963 को हुआ तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौता भी है। भारत सरकार लंबे समय से इसे अवैध और अमान्य मानती रही है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार भारत का कहना है कि इस समझौते के तहत पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र के शक्सगाम घाटी से संबंधित लगभग 5,180 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंपने की व्यवस्था की थी। भारत ने स्पष्ट किया है कि उसने इस समझौते को कभी मान्यता नहीं दी।

भारत का आधिकारिक रुख यह भी है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्रशासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश मंत्रालय ने पहले भी कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों तथा चीन से जुड़े ऐसे किसी भी कदम को भारत अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जोड़कर देखता है।

यही वह बिंदु है जहां कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की मूल स्थिति अलग दिखाई देती है। भारत जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अपने संवैधानिक तथा संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि पाकिस्तान अपने आधिकारिक बयानों में जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दा बताता रहा है। मई 2026 में चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में भी पाकिस्तान ने चीन को जम्मू-कश्मीर की स्थिति से अवगत कराया और चीन ने इसे ऐतिहासिक रूप से लंबित विवाद बताते हुए संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा संबंधित प्रस्तावों के अनुरूप शांतिपूर्ण समाधान की बात कही थी।

कश्मीर नीति में दावे अलग और व्यवहार अलग

कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान की नीति को समझने के लिए उसके बयानों और गतिविधियों को अलग-अलग देखना जरूरी है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दे के रूप में प्रस्तुत करता है और इसके समाधान की मांग करता है। दूसरी ओर, वह चीन के साथ ऐसे सीमा और संपर्क संबंधी ढांचे को आगे बढ़ा रहा है जिनका संबंध भारत द्वारा अपने क्षेत्र के रूप में दावा किए जाने वाले इलाकों से भी जुड़ता है। यही स्थिति भारत की ओर से गंभीर आपत्ति का कारण बनती है। पाकिस्तान की ओर से चीन के साथ सीमा आयोग को सीमा प्रबंधन और व्यापारिक संपर्क बढ़ाने के लिए उपयोगी बताया गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे दोनों देशों के बीच सहयोग का नया चरण बताया है। लेकिन भारत इसे अलग नजरिये से देखता है और मानता है कि भारतीय भूभाग से जुड़े किसी भी मामले में पाकिस्तान को चीन के साथ निर्णय लेने का अधिकार नहीं है।

कातिलाल मांडोट

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार 16 सितंबर 2026 को दोनों देशों ने सीमा संयुक्त आयोग को औपचारिक रूप से सक्रिय किया। पाकिस्तान ने इसे सीमा प्रबंधन, संयुक्त सीमा सर्वेक्षण, व्यापारिक आवाजाही और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। यानी पाकिस्तान इस तंत्र को चीन के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के साधन के रूप में प्रस्तुत कर रहा है भारत की आपत्ति का मूल कारण यही है कि पाकिस्तान और चीन के बीच प्रस्तावित सीमा सहयोग का संबंध उन क्षेत्रों से भी जुड़ता है जिन्हें भारत अपना संप्रभु भूभाग मानता है। भारत का कहना है कि किसी ऐसे क्षेत्र के संबंध में दो अन्य देश आपस में कोई व्यवस्था नहीं कर सकते जो भारत की संप्रभुता से संबंधित हैं। इसी आधार पर नई दिल्ली ने पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग को कानूनी आधार से रहित बताया है।

2026 का समझौता भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया

भारत की आपत्ति का एक महत्वपूर्ण आधार 2 मार्च 1963 को हुआ तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौता भी है। भारत सरकार लंबे समय से इसे अवैध और अमान्य मानती रही है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार भारत का कहना है कि इस समझौते के तहत पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र के संबंधित हैं। इसी आधार पर नई दिल्ली ने पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग को कानूनी आधार से रहित बताया है।

अनूपपुर में 136 मेधावी छात्रों को मिलेगी स्कूटी, 10 को मंत्री ने सौंपी सांकेतिक चाबी

दिलीप जायसवाल बोले- मेहनत और लगन से लक्ष्य हासिल करें विद्यार्थी, उच्च शिक्षा में मिलेगी आने-जाने की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले में 12वीं कक्षा की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत स्कूटी प्रदान की गई शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने जिले के 136 पात्र मेधावी विद्यार्थियों में से 10 विद्यार्थियों को सांकेतिक रूप से स्कूटी की चाबी सौंपी इस दौरान विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनकी मेहनत लगन और प्रतिभा का परिणाम है। जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और उसे हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूटी योजना मेधावी



विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के साथ उनकी आगे की पढ़ाई में आने-जाने की सुविधा भी उपलब्ध कराती है मंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि स्कूटी केवल आवागमन का साधन नहीं है बल्कि उनकी मेहनत और प्रतिभा के सम्मान का प्रतीक है इसका उपयोग उच्च शिक्षा हासिल करने और अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए करें

उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करने, पढ़ाई के साथ व्यक्तिगत विकास पर ध्यान देने तथा अपने परिवार और जिले का नाम रोशन करने की अपील की।

उच्च शिक्षा में आवागमन होगा आसान: कार्यक्रम में स्कूटी प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला विद्यार्थियों ने बताया कि उच्च शिक्षा के लिए उन्हें कई बार

दूर के क्षेत्रों में आना-जाना पड़ता है स्कूटी मिलने से कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचना आसान होगा। इससे आने-जाने में लगने वाला समय भी बचेगा और पढ़ाई के लिए अधिक समय मिल सकेगा मंत्री ने विद्यार्थियों की सफलता में उनके माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका की भी सराहना की उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को



आगे बढ़ाने में परिवार और शिक्षकों का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण है मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धि जिले के अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का माध्यम बनेगी।

अधिकारी और जनप्रतिनिधि रहे मौजूद: कार्यक्रम में जनजातीय आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतैल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति

सिंह, कलेक्टर रत्नाकर झा, जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी, अपर कलेक्टर बलबीर रमन, सहायक आयुक्त सरिता नायक और जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आमों सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और उनके परिजनों में भी उत्साह नजर आया।

सेवा संकल्प अभियान: धुएं से मुक्ति, स्वच्छ रसोई की ओर बढ़ता परिवार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना बनी फूल कुमारी के परिवार के लिए बदलाव की नई शुरुआत



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम भल्लौर, तहसील मनेंद्रगढ़, जिला एमसीबी की रहने वाली फूल कुमारी के परिवार

के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना बदलाव की एक नई शुरुआत लेकर आई है आर्थिक स्थिति सामान्य होने के कारण फूल कुमारी को पहले खाना बनाने के लिए लकड़ी और पारंपरिक चूल्हे का सहारा लेना पड़ता था लकड़ी जुटाने में समय और मेहनत लगती थी तथा चूल्हे से निकलने वाले धुएं के कारण रसोई का वातावरण भी असुविधाजनक रहता था प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी गैस कनेक्शन मिलने के बाद फूल कुमारी के परिवार की रोजमर्रा की ज़िंदगी में सकारात्मक

बदलाव आया अब उन्हें खाना बनाने के लिए लकड़ी इकट्ठा करने में समय नहीं लगाना पड़ता। गैस चूल्हे पर भोजन आसानी से और कम समय में तैयार हो जाता है फूल कुमारी बताती हैं कि पहले धुएं से भरी रसोई में खाना बनाना मुश्किल लगता था लेकिन अब स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिलने से रसोई का वातावरण पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हो गया है इससे उनके समय और मेहनत दोनों की बचत हो रही है और वह बचा हुआ समय परिवार तथा अन्य घरेलू कार्यों में लगा पा रही

हैं उज्ज्वला योजना से मुझे केवल गैस कनेक्शन नहीं मिला बल्कि मेरे रोजमर्रा के जीवन में सुविधा और समय की बचत भी हुई है अब खाना बनाना पहले से आसान हो गया है और मेरी रसोई भी अधिक स्वच्छ एवं सुविधाजनक हो गई है प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से फूल कुमारी जैसे परिवारों को स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिलना उनके जीवन में सुविधा और बदलाव का उदाहरण है धुएं से मुक्ति, समय की बचत और स्वच्छ रसोई की ओर बढ़ता कदम-यही उज्ज्वला योजना की साक्ष्यता है।

सेवा संकल्प अभियान: धुएं वाली रसोई से स्वच्छ ईंधन तक, रीना देवी के जीवन में आया बदलाव

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। वार्ड क्रमांक 18, संत कबीरदास वार्ड, ईटा भट्टा, हिल्दाबाड़ी, नगर निगम चिरमिरी, जिला एमसीबी की रहने वाली रीना देवी के परिवार के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना बदलाव की एक नई शुरुआत लेकर आई है कुछ समय पहले तक मेरे लिए रसोई का काम आसान नहीं था। परिवार की सामान्य आर्थिक स्थिति के कारण खाना बनाने के लिए लकड़ी और पारंपरिक चूल्हे पर निर्भर रहना पड़ता था लकड़ी जुटाने में समय और मेहनत लगती थी चूल्हे से निकलने वाला धुआं रसोई में भर जाता था, जिससे खाना बनाना भी काफी मुश्किल लगता था प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मेरे परिवार के लिए एक नई शुरुआत लेकर आई योजना के तहत मुझे एलपीजी गैस कनेक्शन मिला गैस कनेक्शन मिलने के बाद खाना बनाने का तरीका ही बदल गया अब लकड़ी इकट्ठा करने की चिंता नहीं रहती और भोजन भी पहले की अपेक्षा कम समय में

आसानी से तैयार हो जाता है स्वच्छ ईंधन मिलने से मेरी रसोई का वातावरण भी पहले से बेहतर हुआ है खाना बनाने समय धुएं की परेशानी कम हुई और रोजमर्रा के कामों में लगने वाला समय और मेहनत दोनों बचने लगे। बचा हुआ समय मैं अपने परिवार और दूसरे घरेलू कार्यों में लगा पाती हूं। मेरे लिए उज्ज्वला योजना सिर्फ गैस कनेक्शन मिलने तक सीमित नहीं है बल्कि इसने रसोई के काम को आसान बनाया और मेरे दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ाई है आज मेरी रसोई पहले की तुलना में अधिक स्वच्छ, सुविधाजनक और समय बचाने वाली बन गई है बदलाव की एक नई कहानी रीना देवी के परिवार का अनुभव बताता है कि स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिलने से रोजमर्रा के घरेलू कार्यों में कितना बदलाव आ सकता है प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से एलपीजी जैसी सुविधा तक पहुंच ने उनके परिवार को पारंपरिक ईंधन से स्वच्छ ईंधन की ओर बढ़ने में मदद की है।

मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई म्यूल बैंक खातों, निवेश ठगी और साइबर फ्राँड नेटवर्क पर कसा शिकंजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराध एवं ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत दो दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं राज्य साइबर पुलिस द्वारा साइबर ठगी के लिए बैंक खातों के उपयोग, म्यूल अकाउंट के माध्यम से अनधिकृत लेन-देन, शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी तथा अंतर्राज्यीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क से जुड़े आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है इन कार्रवाइयों में आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ बैंकिंग दस्तावेज, एटीएम कार्ड, चेकबुक, क्यूआर कोड, मोबाइल फोन एवं लैपटॉप सहित महत्वपूर्ण सामग्री बरामद की गई है नरसिंहपुर: पुलिस ने म्यूल अकाउंट के माध्यम से अनधिकृत लेन-देन करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है आरोपियों द्वारा कर्नेटक गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं



दिल्ली में सक्रिय रहकर करीब 25 लाख रुपये का लेन-देन किया जाना पाया गया। आरोपियों से 02 मोबाइल फोन, 03 पासबुक एवं 04 एटीएम कार्ड जब्त किए गए खरगोन: शेयर मार्केट में निवेश पर भारी मुगफे का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गुजरात से 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया आरोपियों ने व्हाट्सएप के माध्यम से फरियादी से संपर्क कर डमी एप्लीकेशन के जरिए शेयर ट्रेडिंग कराकर ठगी की थी पुलिस ने ठगी से अर्जित 10 लाख 95 हजार रुपए की राशि बरामद कीऑर्पेशन मैट्रिक्स के तहत साइबर फ्रॉड के

लिए बैंक खातों का अंतर्राज्यीय नेटवर्क संचालित करने वाले मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया आरोपियों द्वारा साइबर ठगों के साथ 250 से अधिक बैंक खातों की जानकारी साझा की गई थी आरोपियों के कब्जे से 21 बैंक पासबुक, 08 एटीएम कार्ड, 20 चेकबुक, 07 क्यूआर कोड एवं 01 लैपटॉप बरामद किया गया ग्वालियर: 21 करोड़ रुपये से अधिक की ट्रेडिंग ठगी के मामले में 8वें आरोपी को राज्य साइबर पुलिस ग्वालियर ने छत्तीसगढ़ के कबीरधाम से गिरफ्तार किया प्रकरण में पूर्व में 07 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है जांच में

सामने आया कि आरोपियों ने Tradecboeus नामक फर्जी वेब प्लेटफॉर्म तैयार कर निवेश पर लाभ का झांसा दिया और फर्जी प्लेटफॉर्म पर निवेश की राशि का बढ़ता-घटता ग्राफ दिखाकर अधिक निवेश के लिए प्रेरित किया आरोपी के बैंक खाते का उपयोग तीन राज्यों में साइबर फ्रॉड से संबंधित लेन-देन में पाया गया तथा तीन राज्यों की शिकायतों के आधार पर खाता प्रीज किया गया था मोबाइल जांच में कंबोडिया के कंट्री कोड वाले नंबर से व्हाट्सएप चैट के प्रमाण मिले हैं विवेचना में फर्जी कंपनी के नाम पर करंट अकाउंट खुलवाकर साइबर फ्रॉड में उपयोग किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। आरोपी के भाई के बैंक खाते में फरियादी से ठगी की राशि की प्रथम लेयर में 25 लाख रुपये का लेन-देन पाया गया है आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर ठगी की राशि एवं अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है ।

बुदनी बनेगा नया रेलवे जंक्शन, इंदौर से नर्मदापुरम की सीधी कनेक्टिविटी होगी आसान तीसरी रेल लाइन से नए रूट खुलेंगे, यात्रियों का करीब दो घंटे समय बचने की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। बुदनी रेलवे स्टेशन अब क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा बुदनी स्टेशन को नए रेलवे जंक्शन के रूप में विकसित किया जा रहा है जंक्शन बनने के बाद यहां से तीन दिशाओं में रेल संचालन की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे यात्रियों को नए रूटों का विकल्प मिलेगा और आसपास के क्षेत्रों की रेल कनेक्टिविटी भी बेहतर होने की उम्मीद है भोपाल और इटारसी के बीच बुदनी को पहला रेलवे जंक्शन बनाए जाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है वर्तमान में स्टेशन पर कुछ ट्रेनों का ठहराव होता है लेकिन जंक्शन के रूप में विकसित होने के बाद यहां अधिक ट्रेनों के ठहराव और नए



रेल मार्गों से जुड़ने की संभावनाएं बढ़ेंगी रेलवे स्टेशन परिसर में नई बिल्डिंग और आधुनिक

सुविधाओं से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण भी जारी है पुरानी स्टेशन बिल्डिंग के साथ नई

संरचना तैयार की जा रही है तीसरी लाइन से बढ़ेगी कनेक्टिविटी बुदनी को जंक्शन

के रूप में विकसित करने के साथ यहां तीसरी रेल लाइन की सुविधा भी मिलने जा रही है इससे क्षेत्र में रेल परिचालन को विस्तार मिलेगा और नए रूट से यात्रियों को आवागमन का विकल्प उपलब्ध होगा। सलकनपुर सहित आसपास के क्षेत्रों को भी इस नई रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलने की उम्मीद है रेलवे अधिकारियों के अनुसार, नए रूट के माध्यम से भोपाल होकर यात्रा करने की तुलना में कुछ यात्रियों को कम दूरी तय करनी पड़ेगी इससे यात्रा का समय भी कम हो सकता है इंदौर और नर्मदापुरम के बीच सीधी कनेक्टिविटी बेहतर होने से यात्रियों को वैकल्पिक रेल मार्ग का समय भी बचने की उम्मीद है।

उम्मीद जताई जा रही है आधुनिक सुविधाओं से विकसित होगा स्टेशन जंक्शन के रूप में विकसित होने के बाद बुदनी स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में भी विस्तार किया जाएगा नई स्टेशन बिल्डिंग और अन्य जरूरी रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कार्य जारी है आने वाले समय में बुदनी न केवल स्थानीय यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण स्टेशन बनेगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने वाले प्रमुख रेल केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकता है रेलवे के पीआरओ नवल अग्रवाल के अनुसार, नए जंक्शन के बनने से तीसरी लाइन उपलब्ध होगी और नए रूट से जुड़े क्षेत्रों को कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा नए मार्ग से दूरी और यात्रा का समय कम होने की संभावना है।

सेवा संकल्प अभियान: होटल व्यवसाय से आत्मनिर्भरता की राह पर कमला दीदी, जय भोलेनाथ महिला समूह ने दिया नई उड़ान का आधार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बिहान योजना लगातार नई मिसालें गढ़ रही है स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं अपनी मेहनत, हुनर और समूह से मिली आर्थिक सहायता के सहारे स्वरोजगार की राह अपना रही हैं ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत घाघरा अंतर्गत ग्राम रामानुजनगर की कमला देवी की है जिन्होंने जय भोलेनाथ महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर होटल व्यवसाय को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है बिहान से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम कमला देवी जय भोलेनाथ महिला स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह का गठन 11 फरवरी 2018 को हुआ था और इसमें कुल 10 महिला सदस्य शामिल हैं समूह बिहान योजना के अंतर्गत संचालित है समूह से जुड़ी महिलाओं की क्षमता बढ़ाने और उन्हें आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए विकासखंड मिशन प्रबंधन इकाई के स्टॉफ एवं कैडर द्वारा मार्गदर्शन एवं क्षमता संवर्धन का कार्य किया गया। कमला दीदी

भी प्रारंभ से ही समूह से जुड़ी रहीं और सचिव के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाती रहीं समूह की आर्थिक मदद बनी होटल व्यवसाय की शुरुआत का आधार बिहान योजना से जुड़ने के बाद कमला दीदी ने आर्थिक रूप से सशक्त बनने के उद्देश्य से होटल व्यवसाय शुरू किया समूह को प्राप्त सीआईएफ राशि में से 20 हजार रुपये का उपयोग उन्होंने होटल का कार्य प्रारंभ करने में किया दस्तावेज में समूह को प्राप्त सीआईएफ राशि 60 हजार रुपये, बीएल राशि 1 लाख रुपये तथा गतिविधि प्रारंभ करने के लिए 40 हजार रुपये की निवेश राशि से हर महिने हो रही नियमित आमदनी कमला दीदी मेहनत और लगन के साथ होटल का संचालन कर रही हैं होटल व्यवसाय शुरू होने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है दस्तावेज के अनुसार होटल संचालन से उन्हें औसतन 5 से 6 हजार रुपये प्रतिमाह की आमदनी हो रही है इस आय से वे अपने परिवार की आजीविका चलाते हैं सहयोग कर रही हैं। उनका यह छोटा व्यवसाय अब परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है।

कोलारस में दधिकांथा उत्सव के साथ राधाष्टमी की शुरुआत, कुंज गलियों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस में शनिवार को राधाष्टमी पर्व की शुरुआत धार्मिक उत्साह और भक्ति के माहौल में हुई मिनी वृंदावन के नाम से प्रसिद्ध कोलारस में सुबह दधिकांथा उत्सव आयोजित किया गया इसमें सैकड़ों श्रद्धालु कुंज गलियों से होकर निकले। नगरवासियों ने घरों की छतों से श्रद्धालुओं पर दूध, दही और रंगों की बरसात कर उत्सव में उत्साह का रंग भर दिया इस दौरान पूरे नगर में राधे-पद्मे के जयकारे गूंजते रहे राधाष्टमी को लेकर कोलारस के प्रमुख मंदिरों और मुख्य मार्गों को फूलों तथा आकर्षक रोशनी से सजाया गया था शनिवार सुबह गोपाल जी मंदिर पंचायती मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। मंदिरों से लेकर बाजारों तक राधा-कृष्ण की भक्ति का माहौल चल समारोह में बैंड-बाजे, शहनाई, डीजे और कीर्तन मंडलियां शामिल होगी आयोजन को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है।



बरसाकर उनका स्वागत किया श्रद्धालु भक्ति में झुमते हुए राधा-कृष्ण के जयकारे लगाते रहे उत्सव के दौरान नगर की गलियां भक्ति और उत्कलास से सरबोर नजर आई कोलारस में राधाष्टमी को विशेष पूरे नगर में राधे-पद्मे के जयकारे गूंजते रहे राधाष्टमी को लेकर कोलारस के प्रमुख मंदिरों और मुख्य मार्गों को फूलों तथा आकर्षक रोशनी से सजाया गया था शनिवार सुबह गोपाल जी मंदिर पंचायती मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। मंदिरों से लेकर बाजारों तक राधा-कृष्ण की भक्ति का माहौल चल समारोह में बैंड-बाजे, शहनाई, डीजे और कीर्तन मंडलियां शामिल होगी आयोजन को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है।

बिना सहमति स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे बिजली कर्मचारी, कृष्णापुरम कॉलोनी में विरोध



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर की कृष्णपुरम कॉलोनी के वार्ड-10 में शनिवार को स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने कॉलोनीवासियों ने विरोध किया रहवासियों का आरोप है कि कर्मचारियों ने उनकी सहमति लिए बिना पुराने मीटर हटाकर नए स्मार्ट मीटर लगाने की कोशिश की। विरोध करने पर कुछ उपभोक्ताओं को बिजली चोरी का केस दर्ज कराने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है कॉलोनीवासियों के अनुसार, उन्होंने मीटर बदलने पहुंचे कर्मचारियों से कार्रवाई से संबंधित आदेश और नए मीटर की टेस्ट रिपोर्ट दिखाते को कहा, लेकिन रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई इसी दौरान कृष्णपुरम निवासी वंदना नामदेव ने अपने घर का मीटर बदलने से इनकार कर दिया आरोप है कि इसके बाद उन्हें कनेक्शन काटने की धमकी दी गई, जिसके बाद कॉलोनी के अन्य लोग भी विरोध में एकजुट हो गए रहवासियों ने आरोप लगाया कि कॉलोनी में कई पुराने मीटर

बदले जा रहे थे, जबकि एक नेता के घर का मीटर नहीं बदला गया। इसको लेकर लोगों ने बिजली कंपनी के कर्मचारियों से सवाल किए ठेकेदार कंपनी से जुड़े सुमित चौरसिया ने कहा कि गृहस्वामियों से पुछकर ही मीटर बदले जा रहे हैं हालांकि, कॉलोनीवासियों ने इस दावे पर आपत्ति जताई मामले में वंदना नामदेव ने अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह रघुवंशी को शिकायत देकर हस्तक्षेप की मांग की। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध करने पर बिजली चोरी का केस कनेक्शन काटने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में जेल भेजने की धमकी दी गई ग्राहक पंचायत ने मामले को लेकर सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया, उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन को पत्र भेजा है संगठन ने उपभोक्ताओं पर दबाव बनाकर स्मार्ट मीटर लगाने की कार्रवाई को रोकने और शिकायतों का निराकरण कराने की मांग की है मांग नहीं माने जाने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

जन विश्वास अभियान के दौरान कलेक्टर - एसपी ने विद्यार्थियों से किया संवाद



मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। जिले के माचलपुर क्षेत्र के ग्राम गोघटपुर में आयोजित जन विश्वास अभियान के दौरान कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में श्रीमती हंसा पाटीदार द्वारा लगभग 8 लाख रुपये की लागत से निर्मित सरस्वती माता मंदिर का लोकार्पण भी किया गया। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, लक्ष्य और भविष्य को लेकर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे स्वयं भी सरकारी स्कूल में पढ़ें हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी मंजिल और उपलब्ध संसाधनों के बारे में जानकारी होना चाहिए। संघर्ष से ही मुकाम हासिल होता है। उन्होंने बच्चों को मेहनत करने और अपने निर्धारित लक्ष्य पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

जज का बड़ा फैसला- सेवानिवृत्ति पर देह के साथ 1 करोड़ दान करेंगे



मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। तन मन धन सौंपना केवल कहावत थी, लेकिन मप्र के एक जज ने इसे हकीकत में बदल दिया। उन्होंने दान में न केवल एक करोड़ देने का संकल्प लिया बल्कि खुद की देह भी दान करने की घोषणा कर दी। मलब तन मन और धन सब कुछ दान कर दिया। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जस्टिस अवनोद कुमार सिंह ने अपनी सेवानिवृत्ति के अवसर पर दो बड़े और प्रेरक फैसलों की घोषणा की है। उन्होंने अपने जनरल प्रोविडेंट फंड (जीपीएफ) से मिलने वाली पूरी रकम, जो करीब 1 करोड़ रुपये बताई गई है, प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपात स्थिति श्रवत कोष (पीएम केयर्स फंड) में दान करने का संकल्प लिया है। अलग-अलग रिपोर्टों में जीपीएफ की अनुमानित रकम 1.01 करोड़ से 1.1 करोड़ रुपये बताई गई है। जस्टिस सिंह ने 17 सितंबर को अपने विदाई समारोह में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि जीपीएफ की राशि जैसे ही उन्हें प्राप्त होगी, वह पूरी रकम राष्ट्र निर्माण के लिए पीएम केयर्स फंड को देने का संकल्प लेते हैं। जस्टिस अवनोद कुमार सिंह ने यह भी बताया कि उन्होंने और उनकी पत्नी इंदिरा सिंह ने मृत्यु के बाद अपने शरीर मेडिकल शिक्षा और वैज्ञानिक कार्यों के लिए दान करने का संकल्प लिया है। उनके मुताबिक, यह संकल्प उन्होंने सेवानिवृत्ति से दो दिन पहले एक मेडिकल कॉलेज के माध्यम से दर्ज कराया था। रिपोर्टों के अनुसार, शरीर दान और जीपीएफ की रकम दान करने का विचार उनकी पत्नी ने भी सुझाया था, जिससे यह एक संयुक्त और प्रेरणादायक निर्णय बन गया। जस्टिस सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उनके लिए समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना सिर्फ पूजा तक सीमित नहीं है।

यूपीआई शुल्क के विरोध में इंदौर के व्यापारियों का बड़ा फैसला

मीडिया ऑडीटर, इंदौर (निप्र)। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के व्यापारियों ने यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित शुल्क के विरोध में दो चरणों में विरोध का फैसला लिया है। 23 सितंबर 2026 को 'नो यूपीआई पेमेंट डे' मनाया जाएगा, जबकि 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं करने की घोषणा की गई है। यानी बड़े भुगतान के लिए ग्राहकों को नकद या अन्य उपलब्ध भुगतान माध्यमों का सहारा लेना होगा। अहिल्या चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, इंदौर की ओर से आयोजित बैठक में 100 से अधिक व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में यूपीआई पर प्रस्तावित शुल्क को लेकर आपत्ति जताई गई। व्यापारियों का कहना है कि शुल्क लगने से भुगतान की लागत बढ़ेगी और इसका असर कारोबार पर पड़ेगा।

23 सितंबर को 'नो यूपीआई पेमेंट डे' : व्यापारी संगठनों के निर्णय के अनुसार 23 सितंबर को 'नो यूपीआई पेमेंट डे' विरोध स्वरूप मनाया जाएगा। इस दिन व्यापारी ग्राहकों को यूपीआई के बजाय नकद अथवा अन्य उपलब्ध भुगतान माध्यमों का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करेंगे।

मध्य प्रदेश में मानसून के 11 दिन बाकी, कोटे का 89.3 प्रतिशत गिरा पानी, 4 दिन हल्की बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में मानसून अब अंतिम दौर में पहुंच गया है। प्रदेश में अब तक औसत 33.2 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य कोटे की 89.3 प्रतिशत है। मानसूनी सीजन के 11 दिन बाकी हैं और मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिन हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है। इसके बाद आखिरी सप्ताह में कुछ जिलों में तेज बारिश हुई तो प्रदेश का बारिश कोटा पूरा होने की संभावना बन सकती है। हालांकि, इस सीजन में कई जिलों में बारिश का आंकड़ा सामान्य से काफी पीछे है। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग के ज्यादातर जिलों में सामान्य बारिश का आंकड़ा पूरा होना मुश्किल है। इंदौर, धार, आलीराजपुर, रायसेन, विदिशा, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, पांडुवा, सागर, उज्जैन, रमलाम और शाजापुर में अब तक सामान्य बारिश की 80 प्रतिशत भी पूर्ति नहीं हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के



मुताबिक इन जिलों को सामान्य बारिश के स्तर तक पहुंचने के लिए अब आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की जरूरत होगी। खासतौर पर यदि तीन से चार दिन तक तेज बारिश होती है, तभी इन जिलों में सामान्य बारिश का आंकड़ा

छूने की स्थिति बन सकती है। इसके उलट मऊगंज और निवाड़ी में सामान्य कोटे से दोगुना पानी गिर चुका है। यानी प्रदेश में बारिश का वितरण एक जैसा नहीं रहा है और कुछ जिले जहां ज्यादा बारिश से आगे निकल चुके हैं, वहीं

कई जिले अभी भी सामान्य आंकड़े से काफी पीछे हैं। अब तक भोपाल, राजगढ़, बुरहानपुर, खरगोन, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, छतरपुर, निवाड़ी, मैहर, भिंड, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना, मऊगंज, शहडोल और उमरिया में सामान्य या इससे ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। इसके अलावा प्रदेश के बाकी 37 जिलों में बारिश सामान्य से कम रही है। ऐसे में मानसून के बचे हुए दिनों में होने वाली बारिश इन जिलों के आंकड़ों को सुधारने में अहम भूमिका निभाएगी। मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 22 सितंबर तक प्रदेश में हल्की बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विशेषज्ञ शैलेन्द्र कुमार नायक के मुताबिक पश्चिमी हिस्से में इस समय एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम सक्रिय है। इसके प्रभाव से पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश की गतिविधियां बनी हुई हैं। अगले कुछ दिनों में बारिश का असर सीमित रह सकता है, लेकिन मौसम की गतिविधियों पर

नजर बनी हुई है। मानसून के अंतिम चरण में स्थानीय मौसमी सिस्टम सक्रिय रहने पर कुछ इलाकों में बारिश की तीव्रता बढ़ सकती है। 19 सितंबर की शाम के आसपास उत्तर अंडमान सागर में नया निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके बाद इसके दक्षिण ओडिशा और उत्तर आंध्र प्रदेश के तट की ओर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने के संकेत हैं। इस सिस्टम के बनने और आगे बढ़ने का असर मध्य प्रदेश के मौसम पर भी पड़ सकता है। यदि सिस्टम का प्रभाव प्रदेश तक पहुंचता है तो मानसून के अंतिम सप्ताह में बारिश का एक और दौर देखने को मिल सकता है। फिलहाल प्रदेश में 33.2 इंच बारिश हो चुकी है। मानसून के सामान्य कोटे का करीब 89.3 प्रतिशत पूरा होने के बाद अब नजर इस बात पर है कि बचे 11 दिनों में कितनी बारिश होती है और क्या अंतिम दौर में कम बारिश वाले जिलों के आंकड़ों में सुधार हो पाता है।

दमोह के कबीरपुर में चार हत्याओं से दहशत, पत्नी और तीन बच्चों की हत्या का आरोप



मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में शनिवार सुबह एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या से सनसनी फैल गई। मगरोन थाना क्षेत्र के ग्राम कबीरपुर में एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी और तीन बच्चों की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने का

आरोप है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई के दौरान आरोपित को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पुलिस जानकारी के अनुसार वारदात शनिवार सुबह करीब चार बजे हुई।

पुलिस के मुताबिक आरोपित द्वारा पटेल पुत्र कल्लू पटेल ने कथित रूप से अपनी पत्नी खेमा पटेल (38) और तीन बच्चों उर्मिला (7), उमेश (4) तथा राजा (1) पर कुल्हाड़ी से हमला किया। हमले में चारों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मगरोन थाना पुलिस के साथ वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले की जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम की भी मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था। प्रारंभिक स्तर पर पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव या अन्य किसी वजह की संभावना समेत विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना का कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की खबर से कबीरपुर गांव में मातम छा गया। घटना के बाद गांव में सनटा पसरा हुआ है। पुलिस द्वारा पंचनामा सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों, घटनास्थल की जांच और आरोपी से पूछताछ के आधार पर वारदात की पूरी परिस्थितियों का पता लगाया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

शासकीय कार्य में बाधा डालकर मोबाइल लूट के 5 आरोपी



मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। जिले में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित तोलानी द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ के.एल. बंजारे के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी अरविंद सिंह

राठौर के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली राजगढ़ निरीक्षक मंजु मखनिया के नेतृत्व में शासकीय कार्य में बाधा डालकर पुलिससकर्मियों से मारपीट कर मोबाइल लूट एवं तोलानी द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ के.एल. बंजारे के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी अरविंद सिंह

हुआ। इवेंट में फरियादिया मंजु पति राकेश वर्मा, निवासी ग्राम घोड़ाखेड़ा द्वारा बताया गया कि उसके ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। सूचना प्राप्त होने पर डायल-112 में तैनात पुलिसकर्मी शासकीय ड्यूटी पर मौके पर पहुंचे। मौके पर फरियादिया के ससुराल पक्ष के आरोपीगण द्वारा पुलिसकर्मी के साथ अश्रद्धा एवं अश्लील गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गई।आरोपीगण द्वारा पुलिसकर्मी को जान से मारने की धमकी दी गई तथा उसके शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए ड्यूटी करने से रोका गया। इसी दौरान आरोपीगण द्वारा पुलिसकर्मी का मोबाइल फोन भी लूट लिया गया तथा अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। आवेदका मधु वर्मा की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 185/2026, धारा 85, 115(2), 296(बी), 351(3), 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए राकेश पिता विजय सिंह वर्मा, महेन्द्र उर्फ विनोद पिता विजय सिंह वर्मा, विजय सिंह पिता प्रेमनारायण वर्मा, कांताबाई पति विजय सिंह वर्मा, नाबालिग बालिका सभी निवासी ग्राम घोड़ाखेड़ा, थाना खुजनेर को गिरफ्तार किया है।

कटनी की फरार सीएसपी नेहा पच्चीसिया समेत तीन आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

मीडिया ऑडीटर, कटनी (निप्र)। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में कुट्ला थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या के मामले में आरोपी को कथित तौर पर बचाने और उसकी जमीन का सौदा कराने के आरोपों से घिरें निर्लंबित एवं फरार सीएसपी नेहा पच्चीसिया समेत तीन आरोपियों के खिलाफ सक्षम न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

अदालत ने 18 सितंबर को सीएसपी नेहा पच्चीसिया, उनके करीबी क्षितिज राज बारापत्रे और मारुफ अहमद हनफी के खिलाफ अलग-अलग वारंट जारी किए। शनिवार को पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि अदालत से तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी हो चुके हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है। **गिरफ्तारी नहीं हुई तो भगोड़ा घोषित करने की तैयारी:** पुलिस के मुताबिक यदि आरोपी पुलिस के समक्ष हाजिर नहीं होते हैं या उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पाती है तो आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें भगोड़ा घोषित किया जा सकता है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ की ओर से ज्यादा वारंट जारी करने का आवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। वहीं, शिकायतकर्ता के अधिवक्ता ने आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने की मांग भी अदालत के समक्ष रखी है।

तीनों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम:



पुलिस ने फरार चल रहे तीनों आरोपियों-सीएसपी नेहा पच्चीसिया, क्षितिज राज बारापत्रे और मारुफ अहमद हनफी की गिरफ्तारी पर पहले ही 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। पुलिस उनकी तलाश के साथ मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

एफआईआर निरस्त कराने हाईकोर्ट पहुंचीं नेहा: सीएसपी नेहा पच्चीसिया ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त कराने के लिए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर 21 सितंबर को सुनवाई प्रस्तावित है। कुट्ला थाना क्षेत्र के इस मामले में पुलिस की कार्रवाई और न्यायालय में चल रही प्रक्रिया के बीच तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी अब जांच की अगली महत्वपूर्ण कड़ी मानी जा रही है।

भगवामय भारत का सपना हुआ साकार, अब संस्कृति से जुड़े युवा: मनोज मुंतशिर

मीडिया ऑडीटर, उज्जैन (निप्र)। प्रसिद्ध गीतकार एवं लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला ने कहा कि वर्ष 1940 में डॉ. हेडगेवार ने कहा था कि एक दिन ऐसा अवश्य आएगा, जब पूरा देश भगवामय हो जाएगा। आज वह दिन आ गया है। 90 प्रतिशत भारत भगवा हो गया है। अब युवाओं को अपनी संस्कृति से जुड़ना होगा। मनोज मुंतशिर मध्य प्रदेश के उज्जैन में आ योजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद के दूसरे दिन शुक्रवार को 'धर्म की अस्तित्वपरक अवधारणा एवं चारित्रिक ऊर्ध्वधित्व' विषय पर संवाद सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा भारत का भविष्य है, लेकिन उन्हें अपने धर्म और संस्कृति को समझने की आवश्यकता है। श्रीमद्भगवद्गीता और रामायण पढ़ने से उन्हें नई दिशा मिलेगी। कहा कि 133 वर्ष पहले स्वामी विवेकानंद ने शिकागो सम्मेलन में 'सिस्टर्स एंड ब्रदर्स आफ अमेरिका' कहकर संबोधन किया था। उस समय विदेशियों को समझ नहीं आया कि वे उन्हें भाई-बहन क्यों कह रहे हैं। स्वामी विवेकानंद बता रहे थे कि पूरा विश्व ही हमारा परिवार है। उन्होंने



युवाओं से भारतीय परंपरा से जुड़ने का आह्वान किया। मनोज मुंतशिर ने महर्षि अरविंद के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई राष्ट्र अमेरिका कहकर संबोधन किया था। उस समय विदेशियों को समझ नहीं आया कि वे उन्हें भाई-बहन क्यों कह रहे हैं। स्वामी विवेकानंद बता रहे थे कि पूरा विश्व ही हमारा परिवार है। उन्होंने

परंपरा से जुड़ना है या बावरी परंपरा से। उन्होंने कहा कि युवाओं को धर्म को केवल जानना नहीं, बल्कि उसे समझकर जीवन में उतारना होगा। भारत की परंपराओं और ग्रंथों से जुड़कर युवा अपने जीवन को नई दिशा दे सकते हैं। युवाओं को बताना होगा क्यों करना है : श्रीनिवास बरखेड़ी केंद्रीय संस्कृत

विश्वविद्यालय के कुलपति श्रीनिवास बरखेड़ी ने कहा कि हमें इंडिया से भारत की ओर लौटना होगा और यह युवा ही कर सकते हैं। युवाओं से केवल यह कहने के बजाय कि क्या करना है, उन्हें यह भी बताना होगा कि क्यों करना है। हमें सिर्फ धर्म को जानना ही नहीं, बल्कि धर्म को जाना भी है। उन्होंने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि युवा धर्म को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। जब हम उन्हें बताएंगे कि क्या करना है और क्यों करना है, तब वे बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। युवा चाहें तो हर वह काम कर सकते हैं, जो असंभव नजर आता है। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पुस्तकों में मुगलों के बारे में कई पृष्ठ मिल जाते हैं, लेकिन भारतीय विज्ञानियों के बारे में केवल कुछ पंक्तियां होती हैं। इस स्थिति को बदलना होगा। एआई को लेकर उन्होंने कहा कि इससे उन लोगों को खतरा है, जो इसे नहीं जानते। हमें एआई को समझना होगा, तभी इसके प्रभावों से निपट सकेंगे। भारतीय पंचांग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे यहां हर तिथि का विरलेक्षण है, जबकि अंग्रेजी कैलेंडर में ऐसा नहीं है।

भारत ने शून्य ही नहीं, पूरा डिजिटल सिस्टम दिया :

स्मृति अनंतलक्ष्मी:

अनादि फाउंडेशन की स्मृति अनंतलक्ष्मी ने एआई के दुष्प्रभावों पर कहा कि डीपफेक में पता नहीं चलता कि क्या सही है और क्या गलत। कुछ दिन पहले ही ब्रिक्स सम्मेलन हुआ। इसके समाप्त होते ही फर्जी संदेश आना शुरू हो गए। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी भारतीय विज्ञानियों के बारे में जानते तक नहीं हैं। उन्हें पता ही नहीं कि भारत ने सिर्फ शून्य ही नहीं, बल्कि पूरा डिजिटल सिस्टम दिया है।

छत्तीसगढ़ पशुधन विकास एवं प्रजनन नीति 2026 के निर्धारण के लिए हितधारक कार्यशाला आयोजित



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में पशुधन विकास एवं प्रजनन नीति 2026 के निर्धारण और रूपरेखा तैयार करने के संबंध में राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में एक महत्वपूर्ण हितधारक कार्यशाला संपन्न हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान परिस्थितियों और डेयरी क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य की मौजूदा प्रजनन नीति के प्रावधानों की समीक्षा करना तथा विभिन्न विशेषज्ञों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त करना था। प्रमुख उपस्थितताएं एवं वक्ता कार्यशाला में पशु प्रजनन क्षेत्र के देश-विदेश के विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, पशुचिकित्सा विभाग के अधिकारियों, दुग्ध क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पशुचिकित्सा सेवाएं संचालक चंद्रकांत वर्मा, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (छक्कठ)वरिष्ठ महाप्रबंधक डॉ. आर.ओ. गुप्ता, गुप हेड (पशु प्रजनन) डॉ. निलेश नाइक और प्रबंधक डॉ. स्वप्निल गज्जर, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ प्रबंध संचालक डॉ. एम. जयकृष्णा, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा (दुर्ग) डॉ. कौसर परवीन (राज्य की स्थानीय नस्लों पर), डॉ. भूपेन्द्र देवादन (केंद्रीय वीर संग्रहालय पर) और डॉ. विवेक अवस्थी (प्रस्तावित नीति के ड्राफ्ट पर), एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज (छबै) सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि और अधिकारियों ने शिरकत की।

सेवा संकल्प अभियान: नारायणपुर में पीएम आवासों पर जले दीप

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल सेवा के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत नारायणपुर जिले में जन-उत्साह का अनुभव माहौल देखने को मिला। जनपद पंचायत नारायणपुर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में श्रध्दानमंत्री आवास योजना-ग्रामीणश के अंतर्गत निर्मित पक्के मकानों में भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवनिर्मित पक्के मकानों में निवास कर रहे हितग्राही परिवारों ने अपने-अपने आशियानों को दीपों की कतारों से सजाया और सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री को सेवा के 25 वर्षों की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की प्रार्थना की। 'सुरक्षित आशियाना मिलने पर जताया आभार' योजना के लाभान्वित परिवारों ने खुशी साझा करते हुए कहा कि श्रध्दानमंत्री आवास योजना-ग्रामीणश ने उनके वर्षों पुराने पक्के घर के सपने को साकार किया है। हितग्राहियों का कहना था कि इस योजना से उन्हें न केवल एक सुरक्षित और सम्मानजनक छत मिली है, 'सेवा और जनभागीदारी का सशक्त संदेश' सेवा संकल्प अभियान का यह आयोजन ग्रामीण अंचल में शासकीय योजनाओं से

विद्यार्थियों ने रचनात्मकता से दिया ‘स्वच्छ भारत, विकसित भारत’ का संदेश

विद्यालयों में निबंध, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने और स्वच्छता दूत के रूप में भूमिका निभाने के लिए हुए प्रेरित



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा' एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत जशपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' विषय पर निबंध, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा और विचारों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता का संदेश दिया। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के साथ उन्हें अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता का संदेश पहुंचाने के लिए

प्रोत्साहित किया गया। निबंध में विद्यार्थियों ने रखे स्वच्छता से जुड़े विचार निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छता, स्वच्छ विद्यालय, स्वच्छ गांव, कचरा प्रबंधन और स्वच्छ भारत के महत्व जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

विद्यार्थियों ने स्वच्छता को केवल किसी अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत और सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने स्वच्छ वातावरण को स्वस्थ जीवन और विकसित

● **भाषण में स्वच्छता को जीवनशैली बनाने पर जोर** ●

भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' विषय पर अपने विचार साझा करते हुए स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। विद्यार्थियों ने कचरे का उचित प्रबंधन, गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने जैसे उपायों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विद्यालय, घर और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को 'स्वच्छता दूत' के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे अपने परिवार एवं समुदाय तक स्वच्छता का संदेश पहुंचाते हुए स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बन सकें।

जशपुर के 2600 विद्यालयों में गूंजा ‘स्वच्छ भारत, विकसित भारत’ का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' की परिकल्पना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जशपुर जिले के लगभग 2600 विद्यालयों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों में विद्यार्थी उत्साहपूर्वक सहभागिता कर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं विचारों को अभिव्यक्त कर रहे हैं। प्रतियोगिताएं 19 सितंबर 2026 तक जारी रहेंगी। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छ विद्यालय, स्वच्छ गांव-शहर, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, हरित पर्यावरण और जल संरक्षण जैसे विषयों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है। रंगों और कल्पनाशीलता के माध्यम से विद्यार्थी स्वच्छ एवं सुंदर भारत की अपनी परिकल्पना को प्रभावी ढंग से सामने रख रहे हैं। वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थी स्वच्छता के महत्व तथा विकसित भारत के निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्वच्छता, कचरे का उचित निपटान, स्वच्छ पेयजल, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाने जैसे विषयों पर विद्यार्थी अपने विचार साझा कर रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि सामाजिक

उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया जा रहा है कि स्वच्छता किसी एक अभियान तक सीमित नहीं, बल्कि दैनिक जीवन की आदत और सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यालयों में आयोजित इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में स्वच्छता संस्कार, पर्यावरणीय चेतना और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। विद्यार्थियों की सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता और जागरूकता का संदेश परिवार एवं समुदाय तक पहुंचाने की दिशा में भी सकारात्मक वातावरण बन रहा है। जिले के विभिन्न विद्यालयों में प्रतियोगिताओं को लेकर विद्यार्थियों और शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। शिक्षक विद्यार्थियों को विषय की समझ विकसित करने, रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने में सहयोग कर रहे हैं। 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम पर आधारित ये गतिविधियाँ विद्यालय स्तर से स्वच्छता और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जशपुर में जिला मुख्यालय से ग्राम पंचायतों तक जला ‘आशीर्वाद का दीया’

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए आभार व्यक्त करते हुए जशपुर जिले में जिला मुख्यालय से लेकर विकासखंडों और ग्राम पंचायतों तक 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक दीप प्रज्वलित कर सेवा, विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी सहभागिता व्यक्त की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, वी.बी.जी. राम जी योजना, पीएम जनमन योजना, लखपति दीदी, बिहान दीदी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित आकर्षक रंगोलियां

तैयार की गईं। रंगोलियों के माध्यम से योजनाओं के उद्देश्य और जनजीवन पर उनके प्रभाव को प्रदर्शित करते हुए 'आशीर्वाद के दीये' सजाए गए। विभिन्न

स्थानों पर दीपों और रंगोलियों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवा भावना और विकास की यात्रा को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया।

सेवा संकल्प अभियान में जल संरक्षण का संदेश, श्याम घुनघुट्टा जलाशय में हुआ ‘जल जन सेवा संकल्प’

विधायक प्रबोध मिंज एवं जिला पंचायत अध्यक्ष मती निरूपा सिंह की उपस्थिति में हुआ आयोजन



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जल संसाधन विभाग द्वारा जल संरक्षण, स्वच्छता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरगुजा जिले के श्याम घुनघुट्टा जलाशय में 'जल जन सेवा संकल्प' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लुण्डा विधायक प्रबोध मिंज एवं जिला पंचायत अध्यक्ष मती निरूपा सिंह सहित जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों, स्व-सहायता समूह की दीर्घियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जल संरक्षण का लिा सा संकल्प कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं नागरिकों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान जल के महत्व, जल स्रोतों के संरक्षण तथा पानी के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। नागरिकों से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए दैनिक जीवन में जल संरक्षण को अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। श्रमदान कर दिया स्वच्छता और सेवा का संदेश कार्यक्रम के दौरान जलाशय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और स्व-सहायता समूह की दीर्घियों ने श्रमदान कर स्वच्छता एवं जनभागीदारी का संदेश दिया। नागरिकों को अपने घर, कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन की जिम्मेदारी के रूप में

अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। जल संरक्षण और स्वच्छता में जनभागीदारी पर जोर कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जल संरक्षण और स्वच्छता केवल शासकीय प्रयासों तक सीमित विषय नहीं हैं, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जल स्रोतों की सुरक्षा, जल का मितव्ययी उपयोग और आसपास के पर्यावरण की स्वच्छता के लिए सामूहिक प्रयासों को आवश्यक बताया गया। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से नागरिकों

को जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रयासों से जोड़ते हुए जनभागीदारी को मजबूत करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ए.पी. निरंजन, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं उप अभियंता, जनपद पंचायत अम्बिकापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक और स्व-सहायता समूह की दीर्घियां उपस्थित रही।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बड़कू साहू के परिवार को दिया पक्का आशियाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत मनेन्द्रगढ़-चिमरी-भरपुर जिले के ग्राम चैनपुर निवासी बड़कू साहू, पिता घासीराम साहू, को पक्के आवास का लाभ मिला है। कभी मिट्टी के कच्चे मकान में जीवन गुजारने वाले बड़कू साहू और उनके परिवार के लिए पक्के घर का सपना लंबे समय से अधूरा था। कच्चे मकान में रहने के दौरान विशेषकर बारिश के दिनों में परिवार को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। छत से पानी

टपकने, दीवारों के खराब होने और मकान की असुरक्षित स्थिति के कारण परिवार के मन में हमेशा चिंता बनी रहती थी। आर्थिक परिस्थितियों के कारण पक्का मकान बनाना आसान नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके परिवार के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई। वर्षों पुराने सपने को मिला साकार होने का अवसर वित्तीय वर्ष 2024-25 में बड़कू साहू को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्के आवास की स्वीकृति मिली। योजना का लाभ मिलने के बाद उनके परिवार के वर्षों पुराने सपने

को पंख मिले और नवनिर्मित पक्के आवास का निर्माण पूर्ण हुआ। 11 सितंबर 2026 को बड़कू साहू के परिवार ने अपने नए पक्के मकान में गृह प्रवेश किया। यह दिन उनके परिवार के लिए बेहद खास और धातुक कर देने वाला रहा, क्योंकि जिस पक्के आशियाने की उम्मीद उन्होंने वर्षों से संजोकर रखी थी, वह अब हकीकत बन चुका था। नए घर में गृह प्रवेश के साथ ही परिवार के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। पक्का आशियाना बना सुरक्षा और खुशियों का आधार पक्का आवास मिलने से बड़कू साहू के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

पीएम रोजगार सृजन कार्यक्रम से प्रतीक पदमवार ने स्थापित किया स्टोन कटिंग एवं पॉलिशिंग बिजनेस 6 परिवारों को मिला रोजगार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण और युवाओं को रोजगार मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं। इसी सोच को धरातल पर साकार करते हुए महासमुंद जिले के ग्राम घोड़ारी के युवा उद्यमी प्रतीक पदमवार ने अपनी पुस्तनी जमीन पर आधुनिक स्टोन कटिंग एवं पॉलिशिंग उद्योग स्थापित की है। आज उनका उद्योग उनके सपनों को नई उड़ान दे रहा है, साथ ही अन्य युवाओं के लिए भी रोजगार का माध्यम बन गया है। प्रतीक बताते हैं कि वे लंबे समय से अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के बारे में सोच रहे थे। ग्राम घोड़ारी में पहले से संचालित स्टोन कटिंग एवं पॉलिशिंग उद्योगों को देखकर उन्हें इस क्षेत्र में व्यवसाय की संभावनाओं की जानकारी मिली और उन्होंने स्वयं का उद्योग शुरू करने का निर्णय लिया। अपने इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, महासमुंद से संपर्क किया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के प्रबंधक द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। योजना के तहत मिलने वाली

सहायता, ऋण सुविधा और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को समझने के बाद प्रतीक ने विभागीय मार्गदर्शन एवं सहयोग से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा आवेदन का परीक्षण कर ऋण स्वीकृति के लिए भारतीय स्टेट बैंक, मेन ब्रांच महासमुंद को प्रेषित किया गया। बैंक द्वारा प्रतीक के उद्योग के लिए 25 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया। ऋण स्वीकृति के बाद उन्होंने आवश्यक मशीनों की स्थापना एवं इंस्टालेशन का कार्य पूरा कर स्टोन कटिंग एवं पॉलिशिंग का उत्पादन शुरू किया। आधुनिक मशीनों के माध्यम से स्थापित उनका उद्योग अब नियमित रूप से संचालित हो रहा है और व्यवसाय को आगे बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रतीक कहते हैं कि आज मेरा अपना उद्योग स्थापित हो चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस महत्वाकां योजना ने एक शिक्षित बेरोजगार युवा के सपने को साकार किया है। योजना और विभागीय मार्गदर्शन से उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिला, जिससे वे आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ 06 परिवारों को भी रोजगार उपलब्ध करा पा रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान में जनसेवा की मिसाल, तीन रक्तदान शिविरों में 68 यूनिट रक्त संग्रहित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा गुरुवार को जिले के विभिन्न स्थानों पर विशेष रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। सेवा और जनभागीदारी की भावना से आयोजित इन शिविरों में समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। शिविरों के माध्यम से कुल 68 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर में आयोजित रक्तदान शिविर में 43 यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में 9 यूनिट तथा मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर द्वारा मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित शिविर में 16 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविरों में सहभागिता करने वाले जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव जीवन बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है। नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन विशेष रक्तदान शिविरों ने समाज में सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने के साथ जरूरतमंदों की सहायता के लिए नागरिकों को आगे आने का संदेश दिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रेस प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी

आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा